सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 200 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 04 मई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बंगाल में खिला कमल

तमिलनाडू में थलपति विजय ने रचा इतिहास

असम में हिमंत बिस्वा सरमा की वापसी

श्रीकंचनपथ न्यूज डेस्क

भिलाई। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की मतगणना सोमवार सुबह 8 बजे से शुरू हुई। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडू, असम, केरल व पुड्डुचेरी में मतगणना जारी है और दोपहर एक बजे तक के आए रुझानों में सभी राज्यों की तस्वीर लगभग साफ हो गई। सबसे बड़ा व अक्रामक चुनाव इस बार पश्चिम बंगाल में हुआ और यहां शुरुआती रुझानों में भारतीय जनता पार्टी ने तृनमूल कांग्रेस को चारोखाने चित्त कर दिया। तमिलनाडू में सुपर स्टार थलपति विजय ने यहां रिकार्ड बना दिया है। विजय की पार्टी तमिलग वेन्नि कझगम यानी टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। असम में हिमंत बिस्वा सरमा की वापसी हो रही है और पुड्डुचेरी में भी भाजपा की सरकार बन रही है। केरल में यूडीएफ पूर्ण बहुमत की ओर बढ़ चली है।

सबसे पहले बात करते हैं बंगाल की तो यहां 293 सीटों पर वोटों की गिनती जारी है। एक सीट फालता पर 21 मई को फिर वोटिंग होगी। शुरुआती रुझान में भाजपा को बहुमत मिला है। भाजपा 192 और टीएमसी 97 सीटों पर आगे चल रही है। मोदी ने जहां झालमुड़ी खाई उस इलाके में भाजपा चारों सीटों पर आगे है। ये सीटें झाड़ग्राम, बिनपुर, गोपीबल्लभपुर और नयाग्राम हैं। चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने आपनी पूरी दम झोंकी।

तमिलनाडु का नया 'नायक' : पहले ही चुनाव में विजय का 'मास्टर'स्ट्रोक

तमिलनाडु की सियासत में नया सुपरस्टार मिल गया है। आठ साल से सुपरहीरो की जो जगह खाली पड़ी थी उसे थलापति विजय भरते हुए दिख रहे हैं। फिल्म स्टार से राज्य की सत्ता तक पहुंचीं जयललिता के 2016 में और 2018 में करुणनिधि के निधन के बाद से ये जगह खाली थी। पिछले 49 साल से राज्य सियासत में चल रहा द्रविड़ राजनीति का दबदबा खत्म होता दिख रहा है।

तमिलनाडु चुनाव के शुरुआती रुझानों को देखा जाए तो टीवीके ने राज्य में एकतरफा तौर पर दोनों स्थापित द्रविड़ पार्टियों- द्रविड़ मुनेत्र कझगम (द्रमुक) और अन्नाद्रमुक के लिए कड़ी चुनौती पेश की है। आलम यह है कि विजय की सीटें इन दोनों पार्टियों से ही ज्यादा हैं। ऐसे में अगर विजय तमिल की राजनीति के अगले 'मास्टर' (विजय की एक फिल्म का शीर्षक) साबित हों तो इसमें कोई चौंकने वाली बात नहीं होनी चाहिए। दोपहर एक बजे तक के रुझानों में टीवीके के 110 सीटों पर आगे रही। वहीं सत्ताधारी डीएमके 60 सीटों पर सिमटती दिखी। तमिलनाडू की एक और पार्टी एडीएमके प्लस 64 सीटों पर बढ़त बनाए रही।

कौन हैं विजय जोसेफ

सी. जोसेफ विजय, जिन्हें जोसेफविजय चंद्रशेखर के नाम से भी जाना जाता है का जन्म 22 जून 1974 को हुआ था। उनके पिता एस. ए. चंद्रशेखर एक फिल्म निर्माता हैं और उनकी मां शोभा चंद्रशेखर एक हिंदू हैं जो फिल्मों में बैकग्राउंड सिंगर रही हैं। विजय का ताल्लुक तमिलनाडु के वेल्लालर समुदाय से है, जो एक संपन्न कृषि समूह है और इसमें हिंदू व ईसाई दोनों धर्मों के लोग शामिल हैं।

हिमंत बिस्वा सरमा फिर बनेंगे असम सीएम?

असम में एक बार फिर भाजपा रुझानों में सरकार बनाती दिख रही है। ताजा रुझानों के मुताबिक, 126 सीट वाली असम विधानसभा में भाजपा बहुमत का आंकड़ा पार कर गई है, जबकि उसके मुकाबले कांग्रेस काफी पीछे छूट गई। भाजपा की इस जीत का शिल्पकार बताया जा रहा है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब हिमंत ने असम में भाजपा का झंडा बुलंद करने की जिम्मेदारी संभाली और उसे अंजाम तक पहुंचाया। वह ये काम 2016 से ही करते आ रहे हैं। यह बात अलग है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने का पहला मौका 2021 में मिला था।

केरल में यूडीएफ और पुड्डुचेरी में एनडीए की सरकार

केरल में पिनरई विजयन की एलडीएफ को झटका लगा है। 140 सीटों वाले केरल के रुझानों में यहां यूडीएफ 99 सीटों पर आगे रही। वहीं एलडीएफ 36 व भाजपा प्लस 2 सीटों पर बढ़त बनाए रही। यहां अन्य को तीन सीटें मिल रही हैं। इसी प्रकार 30 सीटों वाले पुड्डुचेरी में एनडीए की वापसी हो रही है। यहां एनडीए 15 सीटों पर आगे रही। वहीं कांग्रेस 11 व अन्य के खाते में 3 सीटें जाती दिख रही हैं।

खास-खबर

कोरबा के 10वीं के छात्र सार्थक तंवर का इसरो में चयन

कोरबा। पीएम श्री एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छुरी कला के लिए गौरव का क्षण है। यहां कक्षा 10वीं के छात्र सार्थक तंवर का चयन इसरो के प्रतिष्ठित 'युविका - युवा विज्ञानी कार्यक्रम' के लिए हुआ है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर कुणाल दुदावत ने सार्थक को सम्मानित कर शुभकामनाएं दीं। सार्थक फिलहाल 10वीं कक्षा का छात्र है और उसने 9वीं कक्षा में रहते हुए इस कार्यक्रम की तैयारी की थी। कलेक्टर कुणाल दुदावत ने कहा कि सार्थक तंवर का चयन पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उनका यह कदम अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बनेगा। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र जैसे प्रतिष्ठित स्थल पर जाना किसी भी छात्र के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। उन्होंने आशा जताई कि सार्थक भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

रायपुर पुलिस की सरप्राइज चेकिंग, चाकूबाज-शराब तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में रविवार शाम पुलिस ने कानून-व्यवस्था मजबूत करने के लिए सख्त तेवर दिखाए। शहर के मध्य जोन में 3 घंटे तक चले विशेष सघन चेकिंग अभियान में चाकूबाज और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों पर कार्रवाई की गई। साथ ही ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर भी शिकंजा कसा गया। यह अभियान शाम 7 बजे से रात 10 बजे तक चलाया गया। पुलिस आयुक्त के निर्देश और मध्य जोन के पुलिस उपायुक्त के मार्गदर्शन में पूरे इलाके में रणनीतिक तरीके से नाकेबंदी कर एरिया सीलबंदी की गई। प्रमुख चौराहों पर बैरिकेड्स लगाकर हर संदिग्ध व्यक्ति और वाहन की बारीकी से जांच की गई। अभियान के दौरान कालीबाड़ी चौक, जयस्तंभ चौक, फाफाडीह चौक, अग्रसेन धाम टर्निंग और फुंडहर चौक (एक्सप्रेस-वे) जैसे संवेदनशील स्थानों पर चेकिंग प्वाइंट बनाए गए।

छत्तीसगढ़ में 5 दिन बारिश-ओले का अलर्ट, गिरेगा पारा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक मौसम बदला हुआ रहेगा। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी संभागों में गरज-चमक, तेज हवा और हल्की बारिश की संभावना जताई है। कल यानी 5 मई को एक्टिविटी और तेज होने का अनुमान है। कुछ इलाकों में ओले भी गिर सकते हैं।पिछले 24 घंटे में उत्तर छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में अधिकतम तापमान 2 से 5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ा। वहीं बाकी क्षेत्रों में तापमान में खास बदलाव नहीं हुआ। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटे तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन इसके बाद अगले 5 दिनों में अधिकतम तापमान 3 से 5 डिग्री तक गिर सकता है। प्रदेश में रविवार को सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस राजनांदगांव में रिकॉर्ड किया गया। वहीं सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.3 डिग्री सेल्सियस जगदलपुर में दर्ज हुआ।

रायपुर में आरसीबी-एमआई का मैच 10वीं-12वीं टॉपर्स को मिलेगी फ्री एंट्री

10 मई को मुकाबला, 2500 वाली टिकट सोल्ड आउट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में 10 मई को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और मुंबई इंडियंस के बीच मैच खेला जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ सरकार ने 10वीं, 12वीं के मेरिट में आए स्टूडेंट्स को फ्री में मैच दिखाने की व्यवस्था की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी संभागीय संयुक्त संचालकों और जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। विभाग ने निर्देश दिया है कि संबंधित बच्चों को एक टीचर के साथ 10 मई की सुबह 10 बजे तक SCERT रायपुर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद वहां से सभी छात्रों को मैच देखने के लिए ले जाया जाएगा।

बता दें रायपुर में आईपीएल मैच की सबसे सस्ती टिकट 2500 रुपए की थी, लेकिन यह टिकटें 3 मई को विंडो ओपन होते ही कुछ ही मिनटों में बिक गई। मैच की सभी टिकटें इस बार ऑनलाइन ही बिक रही हैं। फिलहाल 3300 रुपए से 8000 रुपए तक टिकट विंडो ओपन है। वहीं 13 मई को होने वाले मैच के लिए टिकट बिक्री 4 मई से शुरू हो गई। यह मैच रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार आरसीबी की टीम 8 मई को रायपुर पहुंचेगी और यहां करीब 6 दिन तक रहेगी। इस दौरान टीम मैदान पर प्रैक्टिस भी करेगी। मुंबई इंडियंस की टीम भी 8 मई के बाद रायपुर पहुंच सकती है।

क्यूआर कोड के जरिए मैदान के अंदर मिलेगी एंट्री

मैच के लिए डिजिटल ई-टिकट जारी किए जाएंगे। इन टिकटों को फिजिकल टिकट में रिडीम करने की जरूरत नहीं होगी। दर्शकों को एंट्री के लिए क्यू कोड मैच वाले दिन गेट खुलने से कुछ समय पहले ही दिखाई देगा। इससे पहले क्यू कोड एक्सेस नहीं किया जा सकेगा। आयोजकों का कहना है कि यह व्यवस्था सुरक्षा और फर्जी एंट्री रोकने के लिए लागू की गई है। स्टेडियम के गेट दोपहर 3:30 बजे खुलेंगे। दर्शकों को अपने टिकट में दिए गए गेट नंबर के अनुसार ही प्रवेश करना होगा। ये सारी जानकारी आपको अपने खरीदी हुई टिकट में भी देखने को मिलेगा। दोबारा एंट्री की अनुमति नहीं होगी।

ई-टिकट ट्रांसफर सिर्फ एक बार ही संभव

हर ई-टिकट को केवल एक बार ही ट्रांसफर किया जा सकेगा। इसके बाद उसे आगे किसी और को फॉरवर्ड नहीं किया जा सकता। टिकट ट्रांसफर के दौरान यूजर को रिसीवर का मोबाइल नंबर दर्ज करना होगा। ट्रांसफर कंफर्म होते ही पुराने यूजर की एक्सेस खत्म हो जाएगी। नया यूजर वेबसाइट ऐप में लॉगिन कर टिकट एक्सेस कर सकेगा। आयोजकों का कहना है कि यह सिस्टम खासतौर पर ब्लैक मार्केटिंग रोकने के लिए लागू किया गया है।

चरोदा के फ्लैट में अवैध हुक्का बार, पीते पकड़ाए 6 युवक

हुक्का पॉट, बर्नर चार्जर पाइप व फ्लेवर व अन्य उपकरण जप्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। चरोदा में विजय शांति हाईट्स के फ्लैट में अवैध रूप से हुक्का बार का संचालन हो रहा था। भिलाई-3 पुलिस की छापेमार कार्रवाई में यहां से हुक्का पीते और पिलाते हुए 6 आरोपी दबोचे गए हैं। पुलिस ने तीन नग हुक्का पॉट, दो नग हुक्का बर्नर, एक हुक्का चार्जर, प्रत्येक में 50 नग वाला पांच पैकेट प्लास्टिक पाइप, 17 पैकेट हुक्का फ्लेवर अफ्जल एक डिब्बा हुक्का फ्लेवर अल्लादीन और एक पैकेट सिल्वर कॉइल पेपर जप्त किया है।

नशे के खिलाफ लगातार जारी दुर्ग पुलिस की कार्यवाही में मुखबिर की सूचना पर विजय शांति हाईट्स चरोदा स्थित फ्लैट में रेड कार्यवाही कर अवैध हुक्का बार संचालन का खुलासा किया गया है। मौके पर 06 आरोपी हुक्का पीते एवं पिलाते पाए गए, सभी को विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में उज्जवल जैन, उम्र 23 वर्ष, निवासी जैन मंदिर रोड, भिलाई-3, हर्ष जैन, उम्र 26 वर्ष, निवासी जैन मंदिर रोड, सुभाष चौक, भिलाई-3, रौनक जैन, उम्र 27 वर्ष, निवासी सी 2/503 महावीर लेक व्यू, गंजपारा दुर्ग, हिमांशु वर्मा, उम्र 28 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 27, मकान नंबर 36, पोलसाय पारा दुर्ग, उज्जवल चतुर्वेदी, उम्र 28 वर्ष, निवासी मकान नंबर 38, सुभाष नगर दुर्ग और आयुष सिंह, उम्र 27 वर्ष, निवासी एमआईजी 1/57, हुडको भिलाई शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान हुक्का पॉट, फ्लेवर एवं अन्य उपकरण सहित कुल 13,215 रुपये की सामग्री जप्त की गई है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

भिलाई-3 थाना प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह भारद्वाज के मुताबिक 3 मई को को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि विजय शांति हाईट्स चरोदा स्थित एक फ्लैट में कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से हुक्का पिलाने एवं पीने का कार्य किया जा रहा है। सूचना की तस्दीक पर थाना पुरानी भिलाई पुलिस टीम द्वारा बताए गए स्थान पर पहुंचकर फ्लैट नंबर 23 में रेड कार्यवाही की गई। रेड कार्यवाही के दौरान मौके पर 06 व्यक्ति अवैध रूप से हुक्का का सेवन करते पाए गए। आरोपियों से पूछताछ के दौरान कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। आरोपियों का कृत्य सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 की धारा 4(क), 21(क) के अंतर्गत अपराध पाए जाने पर अपराध कायम कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

बड़ा हादसा : नदी में कार गिरने से चार दोस्तों की दर्दनाक मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। जिले में रविवार रात 9.30 बजे एक तेज रफ्तार कार ने चार घरों के चिराग बुझा दिए। बिरगांव (रायपुर) से पंडरिया जा रहे 6 दोस्त उस वक्त हादसे का शिकार हो गए जब उनकी कार पांडातराई पुल के पास मोड़ पर अनियंत्रित होकर सीधे नदी में जा गिरी।

हादसा इतना भयावह था कि चार युवकों की मौत हो गई, जबकि दो युवक गंभीर हालत में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, कार तेज रफ्तार में थी। मोड़ पर ड्राइवर नियंत्रण नहीं रख पाया और कार पुल से नीचे नदी में गिर गई। देर रात हुए इस हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।हादसे में जिन युवकों की मौत हुई, वे सभी कम उम्र के थे। इनमें अरमान अली (20), मोहम्मद सैफ(19), अनस अली (21) और कौनैन (19) शामिल हैं। दो, जुनेद रजा (21), आरजु खान (19) की हालत नाजुक है। दोनों घायलों को प्राथमिक इलाज के बाद रायपुर रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। पांडातराई थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में ओवरस्पीड और नियंत्रण खोना हादसे की मुख्य वजह सामने आ रही है।

सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी - मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरापुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हौसला बुलंद रखना सबसे आवश्यक है।

बलरामपुर स्थित सर्किट हाउस में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय ने विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया और उनके भविष्य के लक्ष्यों के बारे में जानकारी ली। अधिकांश

विद्यार्थियों ने डॉक्टर और इंजीनियर बनने की इच्छा व्यक्त की, वहीं कुछ ने भारतीय प्रशासनिक सेवा और न्यायिक सेवा में जाने का संकल्प व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने विद्यार्थियों के सपनों की सराहना करते हुए कहा कि सपना देखना और उसे लक्ष्य में बदलकर निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि समर्पण, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ मेहनत की जाए, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। उन्होंने आश्वस्त किया कि राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संपादकीय

किराये की संतान

बुजुर्गों के संकट को गंभीरता से ले सरकार

जीवन की सांझ में बुजुर्गों को अपनों के पास न होने की टीस सालती है। कई बुजुर्गों के बच्चे विदेशों में अपना भविष्य तलाशने गए तो फिर लौटकर नहीं आये। जीवनभर की जमा-पूंजी से बनाये गए बड़े-बड़े घरों में वे सिर्फ दीवारें ताकते हैं। बच्चों के पास जाते भी हैं तो वहां रात-दिन काम में जुटे बच्चों के साथ रहना उन्हें रास नहीं आता। आत्मकेंद्रित होती पीढ़ी भी भारत में रहने वाले माता-पिता की सुध लेने लौटकर तक नहीं आती। ऐसे में साधन-संपन्न बुजुर्ग को कई बड़े शहरों में ऐसी कंपनियां किराये की सतानें उपलब्ध कराती हैं। ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फ शहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं।

> “ ये किराये की संतानें बुजुर्गों के साथ सैर पर जाते हैं, लूडो आदि खेल खेलते हैं और उनका एकाकीपन दूर करते हैं। यद्यपि यह समस्या का अंतिम समाधान तो नहीं है लेकिन कुछ समय के लिए वे राहत महसूस करते हैं। दरअसल, बुजुर्गों के जीवन में अंदर से खालीपन इतना बढ़ गया है जिसे भरने के लिए वे किराये की संतानों की ओर उन्मुख होते हैं। कई कंपनियां बुजुर्गों को केयर का पैकेज देती हैं। वे ऐसे अटेंडेंट उपलब्ध कराती हैं जो बुजुर्गों के साथ बैठकर टीवी देखते हैं, ताश खेलते हैं, दिन-भर बातें करते हैं। कंपनियों की यह सुविधा सिर्फशहरों तक सीमित नहीं रह गई बल्कि गांवों तक लोग इन्हें अनुबंधित कर रहे हैं। हालांकि, खून के रिश्तों का कोई विकल्प नहीं हो सकता है, लेकिन तात्कालिक तौर पर वे इनकी उपस्थिति में कुछ सुकून हासिल कर सकते हैं।

हालांकि, ऐसे दौर में जब उम्र-दराज लोगों के आय के स्रोत सिमटने लगते हैं और शरीर भी साथ नहीं देता तो बहुत से लोगों के सामने किराये की संतान का बोझ उठाना भी मुश्किल होता है। खासकर निजी क्षेत्र के सेवानिवृत्ति कर्मचारियों के लिए जिनकी पेंशन भी मुट्ठी में सिमट जाती है। विकसित देशों में सेवानिवृत्त लोगों के लिए तमाम कल्याणकारी योजनाएं लागू रहती हैं। वे अपनी नौकरी के दौरान पर्याप्त आयकर देते हैं। फिर सेवानिवृत्ति पर सरकारें उनकी देखभाल व मेडिकल सुविधाओं का दायित्व निभाती हैं। भारत में कथित लोककल्याणकारी सरकारें भरपूर आयकर वसूलने के बाद भी जिंदगी की सांझ में बुजुर्गों को उनके हाल पर छोड़ देती है। अपने भी गांठ का धन मजबूत होने पर ही अपने साथ निभाते हैं। ऐसे में बुजुर्गों व वृद्धों का जीवन अवसादमय हो जाता है। लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाएं और आय के स्रोतों का संकुचन उन्हें भविष्य के भय से भर देता है। वास्तव में बुजुर्गों व वृद्धों को जीवन की सच्चाई को स्वीकार करते हुए इसका मुकाबला करने को तैयार रहना चाहिए। शारीरिक सक्रियता, योग, ध्यान, प्राणायाम व सत्संग उनके लिए मददगार होता है। अक्सर सोशल मीडिया पर चर्चा की जाती है कि यदि अनाथ आश्रमों के बच्चों को ओल्ड ऐज होम के बुजुर्गों के साथ रखा जाए तो दोनों की समस्या हल हो सकती है। एक ओर बच्चों को जहां अभिभावक मिल सकते हैं, वहीं बुजुर्गों को बच्चे मिल सकते हैं। गुणवत्ता वाले सुविधा-संपन्न वृद्धाश्रमों को बनाने के लिए सरकार के स्तर पर बड़े प्रयास करने की जरूरत है।

बंगाल चुनाव के सियासी दांवपेच में एसआईआर की भूमिका

ज्योति मल्होत्रा

अगर भाजपा पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव जीत जाती है, तो अब तक अपने आकर्षण से बचे रहे राज्य की विजय का अपना पक्का इरादा साबित कर देगी। अगर ऐसा हुआ तो इसमें अन्य सियासी दांव-पेच के अलावा विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की बड़ी भूमिका होगी। वहीं 'आप' शासित पंजाब में भी विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं। सात सांसदों के पालाबदल से सरगर्मी शुरू हो चुकी है।

पंजाब से लेकर बंगाल तक, देश के दो छोर पर बसे इन दोनों राज्यों की राजनीति में खास तरह की गरमाहट साफ दिखाई दे रही है। पंजाब में, सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को उम्मीद थी कि वह मई दिवस का इस्तेमाल संकट के संकेत के बजाय (मूलतः फ्रांसीसी वाक्यांश'मे-डे', यानी 'मदद करना') यह दिखाने में कर सकेगी कि पार्टी के कुछ लोगों द्वारा पाला बदल लेने के बावजूद, दल पूरी तरह एकजुट है।

लेकिन हुआ यह कि मई दिवस पर मज़दूरों के अधिकारों संबंधी अवसर मनाने के लिए बुलाया गया विधानसभा का विशेष सत्र, राजनीतिक वाक्युद्ध की भेंट चढ़ गया। सदन की कार्रवाई कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी और विपक्ष को सत्ताधारी पार्टी पर यह आरोप लगाने का मौका मिल गया कि वह 'पानी को शराब में बदलने' (यानी, अच्छी चीज़ को खराब वस्तु में बदल देने) का काम कर रही है।

यह घटना पंजाब की पहले से ही गंदली हुई पड़ी राजनीति को और कितना मैला करेगी एक ही झटके में, भाजपा को सात नए राज्यसभा सांसद मिल गए हैं, क्योंकि पिछले हफ्ते आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का एक गुट टूटकर भाजपा में शामिल हो गया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जल्द ही राष्ट्रपति से मिलकर यह कहेंगे कि यह टूटन 'दल-बदल विरोधी कानून' का उल्लंघन है। फिर भी, इस झटके से बुरी तरह हिली हुई पार्टी आजकल अपनी ताकतों और कमजोरियों का आकलन कर रही है।

भले ही भाजपा में हाल ही में शामिल हुए ये सातों कोई जनाधार वाले नेता न हों- वास्तव में, यह धारणा बन जाना कि उन्होंने किसी डर या फायदे के लालच में 'आप' छोड़कर भाजपा का दामन थामा है, इसका लाभ आम आदमी पार्टी को मिलने की संभावना है - लेकिन यह सच है कि भाजपा ने पहला वार कर डाला है। मुकाबला शुरू हो चुका है। यह तब खत्म होगा, जब आज से दस महीने से भी कम समय बाद पंजाब में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

वहीं देश के दूसरे छोर पर, आज बंगाल और बाकी देश को पता चल जाएगा कि हवा का रुख बदला है या नहीं। अधिकांश एग्जिट पोल पहले ही इस राज्य में भाजपा को जीत मिलने का अनुमान दिखा रहे हैं। लेकिन बंगाल की धरती पर कुछ और ही चल रहा है। सालों में पहली बार, लोकतंत्र के अध्ययन के लिए समर्पित भारत की सबसे बड़ी सामाजिक विज्ञान संस्था- 'सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवल्पिंग सोसाइटीज़'- और उसकी शोध शाखा 'लोकनीति' ने विधानसभा चुनावों के इस दौर में कोई भी चुनावी सर्वेक्षण नहीं किया। जाने-माने चुनाव विश्लेषक, एक्सिस माई इंडिया के प्रदीप गुप्ता ने यह कहते हुए कि राज्य के 70 प्रतिशत मतदाताओं ने उनके पोलिंग सर्वे में बात करने से मना कर दिया, बंगाल के लिए सीटों का अनुमान नहीं दिया है- हालांकि उन्होंने उन सभी दूसरे राज्यों के लिए अनुमान दिए हैं जहां पर चुनाव हुए हैं। इसी प्रकार सी-वोटर पोलिंग एजेंसी के प्रमुख, यशवंत देशमुख ने भी सीटों का अनुमान देने से मना करते हुए कहा कि अगर ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस कोलकाता और उसके आसपास के पांच मुख्य ज़िलों -कोलकाता, हावड़ा, 24 उत्तर परगना, 24 दक्षिण परगना और नदिया-पर अपना कब्ज़ा बनाए रखने में कामयाब रहती है, क्योंकि 294 सीटों वाली विधानसभा में इन ज़िलों की 108 सीटें हैं-तो वह अभी भी मुख्यमंत्री बनी रह सकती हैं।

सच तो यह है कि अगर भाजपा बंगाल जीत जाती है, तो वह उस इकलौते राज्य को जीतने का अपना पक्का इरादा साबित कर देगी जो अब तक उसके आकर्षण से बचा रहा- और यह जीत 'साम, दाम, दंड, भेद' और 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के ज़रिए हासिल होगी। ऐसा करते हुए भाजपा ने निश्चित रूप से चाणक्य के उस विख्यात ग्रंथ में एक और तरीका जोड़ दिया है, जिसमें एक चतुर शासक द्वारा अपनी प्रजा को काबू में रखने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चार तरीकों- हेरफेर, रिश्वत, दंड और फरेब- का ज़िक्र है; और यह नया तरीका है बंगाल में 'मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण' करवाना। इसका नतीज़ा यह रहा कि 'तार्किक विसंगति' वाले नियम के तहत 27 लाख मतदाताओं के नाम कट जाने के अलावा, हज़ारों लोगों के पास अपनी पात्रता सिद्ध करने का समय खत्म हो गया, क्योंकि उनके कागज़ात पूरे नहीं थे। अशायद राहुल गांधी को छोड़कर, जो 29 अप्रैल को बंगाल में 'करो या मरो' वाले मतदान के समय ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगलों में घूम रहे थे या धर्मशाला की बारिश से भीगी पहाड़ियों की तारीफ कर रहे थे, अब हर राजनेता के मूल स्वभाव में पहली चार बातें (साम, दाम, दंड, भेद) पूरी तरह से रच-बस गई हैं। 'आप'के मनीष सिसोदिया ने पिछले अगस्त में ही ये नुक्ता बेझिझक बताया, जब उन्होंने कहा था कि पंजाब की लड़ाई में उनकी पार्टी इन तरीकों ('साम, दाम, दंड, भेद, सच, झूठ, सवाल, जवाब, लड़ाई-झगड़ा') का इस्तेमाल करने में गुरेज नहीं करेगी। पंजाब भाजपा के सुनील जाखड़ ने उस समय सिसोदिया की इस टिप्पणी पर चुनाव आयोग से शिकायत की थी -लेकिन दोनों नेताओं को निश्चित रूप से अपनी बात कहने का पूरा हक था; उनकी टिप्पणियां रोज़मर्रा की राजनीति की 'लक्ष्मण रेखा' के भीतर ही थीं।

बंगाल में, चुनावी प्रक्रिया में 'विशेष गहन पुनरीक्षण' को शामिल करना- जोकि सैद्धांतिक रूप से कोई गलत कदम नहीं था -एक निष्ठुरता में बदल गया, खासकर तब जब समय कम था और राज्य को डिजिटाइज़ करने की कोशिश में इंसानी हाथों से फार्म भरने में कई तरह की बेवकूफी भरी गलतियां हुईं, जिनके नतीजे बहुत बुरे रहे। खैर, जो भी हो। पासा फेंका जा चुका है। मतदान हो चुका है। मतपेटियां बंद होने के तीन दिन बाद, यानी 'मई दिवस' को, कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 993 रुपये बढ़ोतरी की घोषणा कर दी गई।

इधर पंजाब में, अगर आम आदमी पार्टी को विपक्ष का मुकाबला करना है, तो उसे निश्चित रूप से अपने रास्ते पर डटे रहना होगा। फिलहाल, उसका पलड़ा भारी है। कांग्रेस अभी भी अंदरूनी कलह से जूझ रही है -उसके कई नेताओं में व्यक्तिगत खूबियां होने के बावजूद , उन के सामूहिक प्रयास के नतीजे कोई ज़्यादा खास नहीं बन पाते।

मेरे सहयोगी राजमीत सिंह की रिपोर्ट के अनुसार, धर्मशाला में राहुल गांधी द्वारा किए गए नेतृत्व प्रशिक्षण सत्र के बाद, पार्टी नेताओं से कहा गया कि वे सितंबर में कानून-व्यवस्था पर केंद्रित 'पदयात्राएं' आयोजित करें। इसके अलावा, एक नई मूल्यांकन प्रणाली के तहत पदाधिकारियों के लिए अपनी गतिविधियों की तस्वीरें और रिपोर्ट अपलोड करना अनिवार्य कर दिया गया है। नेहरू के पर-नाती के नेतृत्व में, इस पुरानी और बड़ी पार्टी का एक गैर सरकारी संगठन जैसी संस्था में बदल जाना साफ-साफ दिखाई दे रहा है। जहां तक भाजपा की बात है, हालांकि वह पंजाब में 'आप' की कमज़ोरी को भांप चुकी है, फिर भी उसके पास फिलहाल वह ताकत और संसाधन नहीं कि निर्णायक हमला कर सके।

या कम से कम बंगाल भी अब तक भाजपा के बारे में ठीक यही सोचता था। चाहे यह राज्य प्रधानमंत्री मोदी की पार्टी के आकर्षण में फंसे या न फंसे, सच तो यह है कि इस राज्य में पार्टी की ज़ोरदार कोशिशों ने इसे हमेशा के लिए बदल दिया है। अब सबकी नज़रें 4 मई पर टिकी हैं।

लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

आपको मशीनों से प्यार है तो एक एआई-प्रूफ नौकरी आपके इंतजार में है

एन. रघुरामन

बचपन से ही उसे अपने खिलौने खोलकर फिर से जोड़ना पसंद था, हालांकि वह इसमें विफल होता था। फिर, स्कूली दिनों में वह पिता की कार से छेड़छाड़ करता और उसे ठीक करने की कोशिश करता। कभी ठीक कर भी देता, लेकिन कभी-कभी उसके पिता को मैकेनिक का भारी बिल चुकाना पड़ता था। लेकिन पिता को इससे फर्क नहीं पड़ता था। उन्होंने उसे अपनी महंगी कार के साथ खेलने दिया। पेशे से पायलट पिता मानते थे कि मैकेनिकल माइंडसेट वाले लोग ही एआई को मात दे सकते हैं। लड़का बड़ा हुआ और पिता की तरह मशीनें उड़ाने का सपना देखने लगा। लेकिन उसकी आंखों की रोशनी इस लायक नहीं थी। अब हाई स्कूल का यह लड़का एक दूसरी नौकरी की ट्रेनिंग ले रहा है, जो उसे छह अंकों की सैलरी वाली एविएशन जॉब दिलवाएगी। पिछले छह वर्षों में इस नौकरी की मांग पायलट से भी ज्यादा है।

दरअसल, उसके पिता जैसे लोग इन विशाल मशीनों को तब तक नहीं उड़ा सकते, जब तक ये लोग उनकी एयरवर्थिनेस को प्रमाणित न कर दें। क्योंकि पायलट जहां विमान उड़ाते हैं, वहीं टेक्नीशियन कानूनी तौर पर उनकी एयरवर्थिनेस के संरक्षक होते हैं। अभी यह 17 साल का लड़का अमेरिका के एक रीजनल एयरपोर्ट पर 10 हजार स्क्वायर फीट के हैंगर (जहां विमानों की मरम्मत होती है) में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस टेक्नीशियन (एएमई) की ट्रेनिंग ले रहा है। यकीन मानिए, ट्रेनिंग पूरी होते ही उसे किसी एयरलाइन में नौकरी मिल जाएगी, जहां उसकी सैलरी छह अंकों से शुरू होगी। एविएशन इंडस्ट्री मशीनों के ऐसे दीवानों को पाकर खुश है। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंडस्ट्री में उन लोगों की कमी हो रही है, जो विमानों की सुरक्षित और समय पर उड़ान को बनाए रखते हैं। 40% से ज्यादा एविएशन मैकेनिक्स उम्रदराज हो रहे हैं और रिटायरमेंट के करीब हैं। कई तो 60 की उम्र पार कर एक्सटेंशन पर हैं। अमेरिका जैसे देशों में एविएशन ट्रैफिक बहुत ज्यादा है। अगले साल अकेले नॉर्थ अमेरिका में करीब 7 हजार सर्टिफाइड मैकेनिक्स की कमी का अनुमान है। इसमें 15 हजार नॉन-सर्टिफाइड मेंटेनेंस स्टाफ शामिल नहीं हैं। इस कमी के कारण 2020 के बाद से एएमई की एंट्री लेवल सैलरी में 50% से ज्यादा का इजाफा हुआ है। यह उन गिनी-चुनी नौकरियों में से है, जहां जॉइनिंग पर 75 हजार डॉलर तक का साइनिंग बोनस दिया जाता है।

सैलरी और ओवरटाइम मिलाकर सालाना पैकेज करीब 1.35 लाख डॉलर तक पहुंचता है। फिर भी एविएशन कंपनियां रिक्त पद नहीं भर पा रही हैं और कई बड़ी एयरलाइंस तो खुद के ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू कर रही हैं। सोच रहे हैं कि उसकी यह यात्रा कैसे शुरू हुई? यह हाई स्कूल के तुरंत बाद शुरू हो गई थी। भारत और कई अन्य देशों में इसके लिए न्यूनतम योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएम) के साथ 10+2 है। इसके लिए चार साल की डिग्री जरूरी नहीं, बल्कि आपको एक स्पेशलाइज्ड लाइसेंस-आधारित ट्रेनिंग प्रोग्राम करना होता है। यह आम गलतफहमी है कि अच्छी ट्रेनिंग सिर्फ विदेशों में ही उपलब्ध है।

हकीकत यह है कि भारत में इसका मजबूत ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर है, जिसका नियमन नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) करता है। भारत में कई ऊंचे दर्जे के सरकारी और निजी कॉलेज उपलब्ध हैं। इसके लिए यूरोप में ईएएसए पार्ट-147 सर्टिफाइड स्कूल्स या अमेरिका के एफएए अप्रूव्ड पार्ट-147 स्कूल्स देखे जा सकते हैं। कनाडा और जर्मनी जैसे देश अपनी एडवांस्ड एमआरओ (मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधाओं के कारण इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के लिए बड़े हब हैं।

पूरी ट्रेनिंग और पढ़ाई में करीब तीन साल लगते हैं। भारत में मई के दूसरे हफ्ते से जून के दूसरे हफ्ते तक कई सीईटी होते हैं। इनमें कई छात्र कैटेगरी बी लाइसेंस (मैकेनिकल के लिए बी1 या एवियोनिक्स के लिए बी2) हासिल करने का लक्ष्य रखते हैं।

जिम्मेदारी का मतदान भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता

सुरेश सेठ

भारतीय मतदाता अपने मताधिकार की शक्ति को भली भांति समझते हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, जिससे व्यवस्था की मजबूती और निरंतरता सुनिश्चित होती है।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसने अपनी सुदृढ़ चुनावी परंपराओं से वैश्विक उदाहरण प्रस्तुत किया है। स्वतंत्रता के बाद से अनेक लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए हैं, जो लोकतांत्रिक मजबूती को दर्शाते हैं। छिटपुट घटनाओं के बावजूद चुनाव प्रक्रिया कभी बाधित नहीं हुई। यह भारतीय मतदाताओं की जागरूकता और लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को सिद्ध करता है। वोट की ताकत के माध्यम से जनता शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता परिवर्तन करती है, चाहे कोई दल लंबे समय से शासन में क्यों न हो।

यह सत्य है कि भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया और चुनाव आयोग की आलोचना समय-समय पर होती रहती है। बैलेट वोटिंग की तुलना में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और मतदाता सूची पुनरीक्षण जैसे मुद्दों पर विपक्ष ने सवाल उठाए हैं। फिर भी इन आलोचनाओं के बावजूद देश की 140 करोड़ जनता का लोकतंत्र में विश्वास अडिग बना रहता है। भारतीय मतदाता अपने मताधिकार की शक्ति को भली-भांति समझते हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, जिससे व्यवस्था की मजबूती और निरंतरता सुनिश्चित होती है।

शिक्षा और जागरूकता के विस्तार के साथ दूरदराज के गांवों तक भी लोकतंत्र की शक्ति की समझ पहुंच चुकी है। लोग जानते हैं कि संविधान सर्वोच्च है और उससे ऊपर कुछ नहीं। जब भी उन्हें लगता है कि संशोधन के नाम पर संविधान से छेड़छाड़ हो सकती है, वे अपने मताधिकार से इसका विरोध करते हैं। हाल के चुनावों में भी संविधान के प्रति आस्था प्रमुख मुद्दा रही। वोटिंग मशीनों और मतदाता सूचियों पर विवाद के

बावजूद, जब लोकतंत्र की कसौटी पर परख का समय आया, तो करोड़ों मतदाताओं ने भाग लेकर अपनी जिम्मेदारी निभाई और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत किया। मिथ्या प्रचार और भ्रामक दावों का शोर आम नागरिक रोज सुनता है, लेकिन मतदान के समय उसकी स्वतंत्र सोच सामने आ जाती है। चुनाव परिणाम यह सिद्ध करते हैं कि भारतीय मतदाता सजग है, स्वयं निर्णय लेता है और आसानी से बहकाया नहीं जा सकता। यही परिपक्वता लोकतांत्रिक परम्पराओं की वास्तविक विजय को दर्शाती है।

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए रिकॉर्ड मतदान ने बताया कि तमाम नकारात्मक प्रचार के बावजूद मतदाताओं ने लोकतांत्रिक जिम्मेदारी निभाई। जाति-धर्म के मुद्दे, मतदाता सूचियों पर संदेह और आरोप-प्रत्यारोप के बीच भी जब नागरिक मतदान केंद्रों पर पहुंचे, तो उनके हाथ में सबसे बड़ी शक्ति उनका वोट था। भीषण गर्मी के बावजूद सुबह से लंबी कतारें लगीं, जो जागरूकता और प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। विशेषकर पश्चिम बंगाल में कड़ी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच रिकॉर्ड मतदान ने यह साबित किया कि भारतीय लोकतंत्र परिपक्व है और हर परीक्षा में खरा उतरता है।

यह मतदान विभिन्न मुद्दों—चाहे मतदाता सूची की विश्वसनीयता का प्रश्न हो या क्षेत्रीय अस्मिता—सबका जवाब बनकर सामने आया, क्योंकि भागीदारी अत्यधिक रही। उच्च मतदान के बीच अपेक्षाकृत कम हिंसा लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत है। तमिलनाडु में भी भाषायी और क्षेत्रीय बहसों के बावजूद मतदाताओं ने उत्साह दिखाया। भीषण गर्मी के बावजूद लोग बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंचे और अपने मताधिकार का उपयोग किया। यह दर्शाता है कि मतदाता मुद्दों को समझते हैं और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त के अनुसार पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुआ मतदान देश में सर्वाधिक रहा, जो लोकतांत्रिक जागरूकता का प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि महिला आरक्षण को लेकर बहस के बीच इन चुनावों में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों से अधिक रही, जो सशक्तीकरण का संकेत देती है। पश्चिम बंगाल, जो कभी छिटपुट हिंसा के लिए चर्चित रहा है, वहां इस बार अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण मतदान हुआ। यह सब दर्शाता है कि भारतीय मतदाता अधिक परिपक्व, जागरूक और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध हो चुका है।

चुनाव विशेषज्ञ अक्सर अधिक मतदान के आधार पर सत्ता परिवर्तन का अनुमान लगाते हैं, जबकि कम मतदान को यथास्थिति की स्वीकृति माना जाता है। लेकिन बदलते समय के साथ ये धारणाएं पुनर्विचार की मांग करती हैं। पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में रिकॉर्ड मतदान ने यह संकेत दिया है कि मतदाता अब पारंपरिक आकलनों से परे होकर स्वतंत्र निर्णय लेता है। वह अपने मत का संकेत न पहले देता है, न बाद में प्रकट करता है। यही कारण है कि चुनाव पूर्व अनुमान अक्सर गलत साबित होते हैं। भारतीय मतदाता की यह परिपक्वता और जागरूकता लोकतंत्र की वास्तविक ताकत को दर्शाती है।

आज जब दुनिया के कई बड़े देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव और अधिनायकवादी प्रवृत्तियों की चर्चाएं बढ़ रही हैं, भारत अपने विशाल और विविधतापूर्ण ढांचे के साथ लोकतंत्र की मजबूती का उदाहरण प्रस्तुत करता है। अत्यधिक गर्मी और कठिन परिस्थितियों के बावजूद 92.86 प्रतिशत जैसे उच्च मतदान स्तर तक पहुंचना नागरिकों की लोकतांत्रिक भागीदारी को दर्शाता है। यह स्पष्ट करता है कि भारतीय मतदाता भ्रामक प्रचार से प्रभावित हुए बिना अपने निर्णय स्वयं लेते हैं। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया और जनता की सक्रिय भागीदारी भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता और परिपक्वता को रेखांकित करती है।

लेखक साहित्यकार हैं।

कोपलों की खुशबू

कई रोज से एक खुशबू को थामे चल रही हूं। उगते सूरज की खुशबू। नयी कोंपलें फूटने की खुशबू। सड़कें झरे हुए फूलों से भर उठी हैं। जिन रास्तों से गुजरती हूं मेरे सर पर आसमान के साथ-साथ फूलों का एक सैलाब सा छाया होता है। मेरे दायीं तरफ फूलों की कतारें हैं और बाईं तरफ आम, लीची की बौर। पूरा शहर फिर से नये उगने की खुशबू में डूबा है।

सारे दिन शहर का मौसम मुझे देश दुनिया के मौसम से, ख़बरों से बचाए रहता है। शाम होते-होते सब बिखरने लगता है। ख़बरों के छींटे कानों में पड़ते हैं और कानों से खून रिसने लगता है। अंधेरा छाने लगता है आंखों के आगे। नींद आ तो जाती है लेकिन बुरे ख्वाब के चलते टूट जाती है। सोचती हूं ख्वाब ज्यादा बुरा था या हक़ीकत ज्यादा बुरी है।

नानी की कहानी में प्यार का जिक्र यूं होता था जैसे दाल में नमक का। बिना नमक की कोई दाल हुई भला, वैसे ही बिना प्यार के कोई ज़िंदगी हुई भला। सम्मान और प्यार हर इंसान की जरूरत है। रोटी भी बिना सम्मान के मिले तो बुरी ही लगती है। ये बात और है कि मुफलिसी ने सम्मान को पीछे धकेलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जब सबको प्यार चाहिए तो ये नफरत कौन परोस रहा है।

इतनी नफरत कि इंसान को इंसान ही न समझें। वक़्त मिले तो यह ज़रूर सोचना चाहिए कि एक व्यक्ति के रूप में हमारे भीतर कितनी हिंसा है। हमने कितनी बार हिंसक व्यवहार किया। किसके साथ किया। हिंसा को किस तरह समझा। एक लंबी चुप्पी, उपेक्षा, उपहास क्या कम हिंसक होती है? हमारे भीतर जो आक्रोश है वो किसके प्रति है? इस खेल को समझने के बजाय इसमें फंसते जा रहे हैं हम सब।

नफरत का यह चक्रव्यूह सबको घेरता जा रहा है। ऐसा चक्रव्यूह जिससे निकलने का रास्ता कोई नहीं जानता। हम एक अंधी सुरंग में जाते जा रहे हैं। धरती पर खून के छींटे बढ़ते जाते हैं और मन पर स्याह अंधेरा घिरता जाता है।

मैं खिलती हुई कोंपलों को देख ही रही थी कि खेल के मैदान में खेलता एक बच्चा ठोकर खाकर गिर गया। तभी एक दूसरे बच्चे ने आकर उसे उठाया और उसकी धूल झाड़ी। मैं न तो गिरने वाले बच्चे का धर्म या जाति जानती थी, न उसे उठाने वाले बच्चे की। बस उन दोनों के चेहरे की मुस्कुराहट को और साथ खेलने को देख रही थी। तेज हवा के झोंके से वोगेनवेलिया के फूल शाखों से छूटकर मेरे कांधों पर आ बैठे थे। क्या मुझे आज कुछ अच्छी नींद आएगी?

साभार : प्रतिभाकटियार डॉट ब्लॉगस्पॉट डॉट कॉम

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

टॉप परफॉर्मर को मिली वर्ल्ड कप की जर्सी, खुशी से झूम उठे फुटबॉलर

भिलाई। टाइगर कैपिटल के सहयोग से इंडिया खेलो फुटबॉल (आईकेएफ) के सीज़न–6 का ट्रायल दूसरे दिन भी जारी रहा। रविवार की सुबह सेक्टर–2 के फुटबॉल ग्राउंड में आयुवर्ग (16–17) के 100 से ज्यादा खिलाड़ी उमड़े। इन खिलाड़ियों ने निर्णायकों के सामने अपने फुटबॉल खेल का हुनर दिखाया। स्थानीय स्तर पर इस आयोजन में भागीदार लेमन ब्रेक अकादमी के प्रतिनिधि, स्पोर्ट्स एजुकेटर और भिलाई के पहले एएफसी के ए लाइसेंस्ड कोच राजशेखर मुराहरि ने बताया कि रविवार को विशेष आकर्षण वर्ल्ड कप फुटबॉल की जर्सी रही। ट्रायल से पहले ही ऐलान कर दिया गया था कि सभी टॉप परफार्मर को यह विशेष जर्सी दी जाएगी। ट्रायल के बाद जर्सी पाकर फुटबॉलर उत्साह से झूम उठे। रविवार की शाम यहां अंडर–15 आयु वर्ग के फुटबॉलरों का ट्रायल हुआ। राजशेखर ने बताया कि सभी प्रतिभागियों के प्रदर्शन का विश्लेषण वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर किया जाएगा। चुने गए खिलाड़ियों को रीजनल क्वालिफायर के लिए भेजा जाएगा।

महापौर अलका बाघमार ने एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान का किया निरीक्षण

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार जनप्रतिनिधियों के साथ शहरी प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र, धमधा नाका में आयोजित HPV वैक्सीनेशन कार्यक्रम में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने उपस्थित नागरिकों से संवाद कर टीकाकरण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य देव नारायण, रंजीता पाटिल, विद्यावती सिंह, सावित्री दमाहे, सुरूचि उमरे, अरुण सिंह,युवराज कुंजाम,ललिता ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। महापौर ने जानकारी देते हुए बताया कि HPV (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) सर्वाइकल कैंसर का प्रमुख कारण है। 14–15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरी बालिकाओं को इस गंभीर बीमारी से बचाव हेतु दुर्ग शहर के सभी शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में निःशुल्क HPV वैक्सीन लगाई जा रही है। उन्होंने सभी पालकों से अपील की कि वे अपनी बेटियों को समय पर HPV वैक्सीन अवश्य लगवाएं, जिससे उन्हें भविष्य में सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखा जा सके। महापौर ने समस्त वार्ड जनप्रतिनिधियों से भी आग्रह किया कि वे अपने–अपने वार्डों में अधिक से अधिक लोगों को HPV वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित करें, ताकि यह अभियान सफल हो सके। उन्होंने कहा कि यह वैक्सीन पूर्णतः सुरक्षित है।

अंडर-7 शतरंज में श्रेष्ठा भारद्वाज बनीं स्टेट चैंपियन, नेशनल में करेंगी छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शतरंज की दुनिया में छत्तीसगढ़ की नन्हीं प्रतिभा श्रेष्ठा भारद्वाज ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए अंडर–7 गर्ल्स कैटेगरी में राज्य चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया है। श्रेष्ठा भिलाई डीपीएस स्कूल में अध्ययन कर रही है ,उन्होंने अपने खेल करियर की शुरुआत अप्रैल 2025 में की थी और शुरुआत के साथ ही उन्होंने उसी माह जिला स्तर की प्रतियोगिता जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दे दिया था।

इसके बाद अप्रैल 2026 में भिलाई के मनसा कॉलेज भिलाई, में छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वाधान में आयोजित जिला स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुईं।

श्रेष्ठा भारद्वाज ने किया बेहतरीन खेल का प्रदर्शन

राजधानी रायपुर में 2 एवं 3 मई 2026 को आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट अंडर–7 शतरंज टूर्नामेंट में श्रेष्ठा भारद्वाज ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए पुनः विजेता बनकर राज्य चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ ही अब वे राष्ट्रीय स्तर पर छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी। श्रेष्ठा भारद्वाज के पिता संतोष कुमार भारद्वाज दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई में सीनियर टीजीटी (कंप्यूटर साइंस विभाग) में पदस्थ हैं, जबकि उनकी माता श्रीमती बरखा भारद्वाज गृहिणी हैं। श्रेष्ठा ने अपनी इस सफ्लता का पूरा श्रेय अपनी माता बरखा भारद्वाज को दिया है, जिनके मार्गदर्शन और प्रेरणा से वे लगातार आगे बढ़ रही हैं। श्रेष्ठा की इस उपलब्धि पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। खेल प्रेमियों और शिक्षाविदों ने उनकी इस सफलता को छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण बताया है और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

ऑपरेशन तलाश अभियान में दुर्ग पुलिस अव्वल, ढूंढ निकाले 683 गुमशुदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलाया गया विशेष अभियान

भिलाई। पुलिस मुख्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में चलाए गए ऑपरेशन तलाश अभियान में दुर्ग पुलिस अव्वल रही। 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक 683 गुमशुदा व्यक्तियों एवं बच्चों को खोजकर परिजनों व संबंधितों को सौंपा गया। विशेष ऑपरेशन तलाश अभियान में 40 पुलिस टीमों का गठन कर यह सफलता पाई है। अभियान के दौरान छत्तीसगढ़ सहित महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, गुजरात एवं राजस्थान में टीम भेजकर अंतरराज्यीय समन्वय से प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की गई। गुमशुदा बालिग व्यक्तियों की दस्तयाबी में वीडियो कॉल के माध्यम का भी उपयोग कर त्वरित सत्यापन एवं बरामदगी की गई।

पुलिस मुख्यालय के निर्देशन में पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में दिनांक 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक ऑपरेशन तलाश अभियान संचालित किया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत दुर्ग पुलिस द्वारा गुमशुदा व्यक्तियों एवं बच्चों की शीघ्र

दस्तयाबी हेतु सुनियोजित रणनीति बनाकर कुल 40 पुलिस टीमों का गठन किया गया। बड़े थानों में दो–दो टीम एवं छोटे थानों में एक–एक टीम नियुक्त कर राजपत्रित अधिकारी के पर्यवेक्षड़ अभियान को प्रभावी रूप से संचालित किया गया।

एसएसपी ने दी टीमों को बधाई

अभियान के दौरान दुर्ग पुलिस द्वारा कुल 683 गुमशुदा व्यक्तियों एवं बच्चों को दस्तयाब किया गया, जिसमें 219 पुरुष, 398 महिला एवं 66 बच्चे (बालक 11, बालिका 55) शामिल हैं। सभी दस्तयाब व्यक्तियों को आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर उनके परिजनों को सुपुर्द किया गया। अभियान की सफलता पर एसएसपी विजय अग्रवाल ने सभी टीमों को बधाई दी।

दीगर राज्यों में चलाया अभियान

अभियान के तहत पुलिस टीमों को छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों के साथ–साथ महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, गुजरात एवं राजस्थान राज्यों में भेजकर अंतरराज्यीय समन्वय स्थापित किया गया। तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल लोकेशन ट्रैकिंग, मुखबिर सूचना एवं वीडियो कॉल सत्यापन के माध्यम से गुमशुदा व्यक्तियों की पहचान एवं दस्तयाबी सुनिश्चित की गई। दुर्ग पुलिस द्वारा सर्वाधिक दस्तयाबी करते हुए राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया गया।

अधिकारी कर्मचारियों की रही सराहनीय भूमिका

उक्त अभियान में दुर्ग पुलिस के समस्त थाना प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों एवं गठित विशेष टीमों के अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा समन्वित एवं निरंतर प्रयास करते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि अपने बच्चों एवं परिजनों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी गुमशुदगी की सूचना तत्काल पुलिस को दें, जिससे शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

इनोवेशन महाकुंभ में भिलाई चेम्बर की भागीदारी, जगदलपुर रवाना हुआ दल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री भिलाई का एक प्रतिनिधिमंडल इनोवेशन महाकुंभ में सहभागिता हेतु रविवार को जगदलपुर के लिए रवाना हुआ। इस दल का नेतृत्व चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन कर रहे हैं। इस प्रतिनिधि मंडल में भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, सुनील मिश्रा, शंकर सचदेव, राजेश शर्मा, गौरव मोंगिया, विनय सिंह, दर्शन खटवानी, मनोहर कृष्णानी, निरंकार सिंह, विजय मिश्रा, अमन मिश्रा आदि शामिल हैं।

महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल महाकुंभ में भाग लेकर नवीन व्यावसायिक नवाचारों, आधुनिक तकनीकों एवं व्यापार विस्तार के नए आयामों की जानकारी प्राप्त करेगा। साथ ही, स्थानीय व्यापारियों के हित में उपयोगी विचारों एवं अनुभवों को साझा करेगा, जिससे क्षेत्रीय व्यापार को नई दिशा मिल सके।

दल के रवाना होने से पूर्व भिलाई चेम्बर के सलाहकर कन्हैया सोनी, उद्योग चेम्बर अध्यक्ष जेपी गुप्ता, विकास जायसवाल, सरोजनी पाणिग्रही, सुमन कनोजे, टीना सातपुते, शंकर देवांगन, महेश बंसल, रश्मि वर्मा, सुनीता सोनी, माधुरी पराशर, पूजा वर्मा, राकेश मल्होत्रा व पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा उन्हें शुभकामनाएं देते हुए गर्मजोशी से विदाई दी गई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहभागिता व्यापारिक उन्नति एवं नवाचार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विधायक देवेन्द्र यादव ने पानी व सफाई की समस्या का निराकरण करने दिया निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव ने सेक्टर 5 स्थित कार्यालय में जनता से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। पानी और सफाई से संबंधित विषयों पर निगम और बीएसपी के अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया।

सेक्टर–6 एचएससीएल कॉलोनी के रहवासियों ने विधायक को बताया कि आपके प्रयास से बीएसपी प्रबंधन ने बिजली कनेक्शन दे दिया है, परंतु अब कालोनी के आवासों तक पानी पहुंचाने की समस्या आ रही है। जिस पर विधायक ने पाइपलाइन का विस्तार कर जल्द समाधान करते हुए आवासों तक पेयजल पहुंचाने का आश्वासन दिया।

वहीं कांकेर, धमतरी और राजनांदगांव सहित अन्य क्षेत्रों से आए युवाओं ने रोजगार और शिक्षा से जुड़े

विषयों पर विधायक से चर्चा की। जिस पर विधायक ने स्थानीय स्तर पर अवसर बढ़ाने की दिशा में योजनाबद्ध कार्य करने का आश्वासन दिया। सतनामी, साहू समा और बौद्ध समाज के पदाधिकारियों ने सौजन्य मुलाकात की।

विधायक यादव ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान हमारी प्राथमिकता है। हर मुद्दे पर गंभीरता से कार्य करते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जनता से भेंट मुलाकात नियमित रूप से जारी रहेगा।

शेर ए खुदा मस्जिद में हज यात्रियों की गुलपोशी, की गईं दुआएं

भिलाई। शेर ए खुदा मस्जिद हाउसिंग बोर्ड भिलाई में जुमे की नमाज़ के बाद हज के मुबारक सफ़र पर रवाना होने वाले खुशनसीब लोगों का भिलाई मुस्लिम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी और मस्जिद कमेटी की ओर से इस्तकबाल किया गया। मस्जिद कमेटी के सदर हाजी मोहम्मद ताहिर सिद्दीकी और इमामो खतीब अल्लामा हाफिज व क़ारी ताज़ीम अहमद जामई ने हज पर जा रहे जायरीनों के लिए अपनी नेक तमन्नाओं का इज़हार किया और उनके सफ़र की कामयाबी के लिए दुआ की। मस्जिद में सलातो सलाम के नज़राने के साथ तमाम जायरीनों के लिए सेहत व सलामती और हज के कबूल किए जाने के लिए खास दुआएं की गईं। वहीं हज पर जा रहे जायरीनों ने भी अवाम से अपनी कामयाबी और आसानी के लिए दुआओं की दरख्वास्त की। हज पर जाने वालों में हसन कोया, मोहम्मद इफ़्तेख़ार खान, नसरुद्दीन और रिज़्वान अंसारी का फूलों के हार से इस्तकबाल कर उन्हें मुबारकबाद पेश की गई। आयोजन को कामयाब बनाने में संस्था के प्रवक्ता और विख्यात आर्किटेक्ट हाजी एम. एच. सिद्दीकी साहब की खास भागीदारी रही।

श्रीकृष्ण गौशाला में नई कार्यकारिणी का गठन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जैन समाज एवं गौसेवा जगत के लिए अत्यंत भावुक एवं श्रद्धामयी स्मृतियों के बीच रविवार को श्री कृष्णा जीव रक्षा केंद्र गौशाला, मोहलाई–छतागढ़ (दुर्ग) में नवीन कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। यह वही पावन गौशाला है, जिसकी स्थापना वर्ष 1996 में दुर्ग में हुए पूज्य जैन साध्वी श्री प्रीति सुधा जी महाराज के प्रेरणादायी चातुर्मास के दौरान उनकी दिव्य प्रेरणा एवं गौसेवा भावना से हुई थी।

रविवार को आयोजित बैठक में गौशाला के संचालन एवं सेवा कार्यों को और अधिक सशक्त एवं व्यवस्थित बनाने हेतु नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वानुमति से श्री

कांतिलाल पारख को अध्यक्ष, राकेश संचेती को महामंत्री तथा श्री संजय लोढ़ा को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने साध्वीप्रीति सुधा जी महाराज के आदर्शों एवं प्रेरणाओं को आत्मसात करते हुए गौशाला के माध्यम से गौसेवा, जीवदया एवं धार्मिक गतिविधियों को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि पूज्य साध्वी श्री प्रीति सुधा जी महाराज केवल एक साध्वी नहीं, बल्कि करुणा, सेवा एवं आध्यात्मिक चेतना की जीवंत प्रतिमूर्ति थीं। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज को धर्म के साथ–साथ जीवों के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा दी। आज भी उनके प्रवचन, वाणी एवं उनके द्वारा स्थापित सेवा संस्कार समाज को प्रेरित कर रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में पूज्य साध्वी श्री के चित्र के समक्ष श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

सेक्टर-4 बीएसपी सोसाइटी डेढ़ करोड़ के लाभ में, सदस्यों में संतोष

- बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी की वार्षिक आमसभा में कार्यकारिणी के कामकाज को कर्मियों ने सराहा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज को–आपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर–4 ने वित्तीय वर्ष अप्रैल 2025–26 में शानदार परिणाम देते हुए 1 करोड़ 48 लाख, 20 हजार 97 रूपए का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। सेक्टर–4 इस्पात क्लब में रविवार की सुबह 10 बजे से शुरू हुई सोसाइटी की सालाना आमसभा में अध्यक्ष पूरन देवांगन ने स्वागत भाषण दिया। दिन भर चली आमसभा के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा हुई और अध्यक्ष व संचालक मंडल ने

साल भर की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। इस दौरान आमसभा में बैलेंस शीट (2025–26) की स्वीकृति, बजट (2026–27) को मंजूरी और वित्तीय वर्ष 2026–27 के अंकेक्षण की नियुक्ति को अनुमति देने सहित अन्य गतिविधियां संचालित की गई।

शुरुआत में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अध्यक्ष पूरन देवांगन ने बताया कि वित्तीय पत्रकों एवं संस्था की प्रगति के आधार पर विगत वर्षों से संस्था को 'अ' वर्ग का दर्जा है, जो कि सोसाइटी के लिए गौरव की बात है। उन्होंने सभा के समक्ष बताया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 में संस्था द्वारा कुल 14 करोड़, 98 लाख, 85 हजार रुपये का ऋण वितरित किया गया। इस अवधि में 52 करोड़, 89 लाख, 95 हजार 872 रूपए का लेनदेन किया गया।

कई फैसले नई कार्यकारिणी ने लिए

आमसभा में अध्यक्ष पूरन देवांगन ने बताया कि पिछली आमसभा में सोसाइटी को बेहतर ढंग से संचालित करने सदस्यों व पदाधिकारियों के सुझावों पर अमल करते हुए कई फैसले नई कार्यकारिणी ने लिए हैं। जिन्हें लागू कर दिया गया है। पूरन देवांगन ने उपस्थित सदस्यों को बताया कि ऋण वसूली सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। जिनमें 2 अग्रिम चेक तथा लंबे समय से ऋण की किशत जमा नहीं करने वाले डिफाल्टर सदस्यों और उनके जमानतदारों को पत्र भेजना शुरू किया गया है, जिसके आशाजनक परिणाम निकले हैं। उन्होंने बताया कि संस्था को कंप्यूटरीकृत करवाने विवरण एकत्र कर प्रविष्टि का कार्य जारी है। इसके साथ ही प्रति माह रिटायर होने वाले सदस्यों को अगले माह की 15 तारीख को अंतिम भुगतान के साथ सम्मानित करने और सोसाइटी की गतिविधियों के लिए एसएमएस सेवा के माध्यम से जानकारी देने की पहल भी उल्लेखनीय पहल साबित हुई है।

संस्था को वित्तीय वर्ष 2025–26 में 1 करोड़ 48 लाख, 20 हजार 97 रूपए का लाभ हुआ। इस अवधि में 125 सदस्यों को 16 लाख 18 हजार 776 रुपये का दुर्घटना बीमा हित लाभ प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025–26 के दौरान बीएसपी से सेवानिवृत्त हुए कुल 333 सदस्यों को 3 करोड़, 07 लाख, 05 हजार 785 रुपये की राशि अंतिम भुगतान किया गया। इसी तरह परिवार कल्याण मद के अंतर्गत 317 मामलों में 9 करोड़, 39 लाख छह हजार रूपए का भुगतान किया गया है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास-खबर

रायगढ़ के राधा कृष्ण मंदिर में वित्त मंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ने की पूजा-अर्चना

रायगढ़। रायगढ़ स्थित राधा कृष्ण मंदिर में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली, सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। दोनों मंत्रियों ने मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की उन्नति और जनकल्याण के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष दीपक म्हस्के सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पीएम आवास में मुख्यमंत्री साय ने भी किया श्रमदान

जशपुर। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान एक अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक दृश्य ग्राम भैंसामुड़ा में देखने को मिला, जिसने ग्रामीणों के मन में गहरी छाप छोड़ी। विकासखंड पत्थलगांव के इस दूरस्थ गांव में पहुंचकर श्री साय ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया। उनकी नजर अनुसुइया पैंकरा के निर्माणाधीन घर पर पड़ी, जिसके बाद वे तुरंत वाहन से उतरकर मौके पर पहुंचे और कार्य की गुणवत्ता को परखा। उन्होंने स्वयं करणी उठाकर सीमेंट-गारा से ईंट जोड़ते हुए श्रमदान किया। मुख्यमंत्री को अपने हाथों से निर्माण कार्य में सहभागी होते देख वहां उपस्थित ग्रामीण भावुक हो उठे। यह दृश्य केवल एक प्रतीकात्मक पहल नहीं, बल्कि जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त संदेश बन गया। हितग्राही श्रीमती अनुसुइया पैंकरा ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

गरियाबंद के कोपरा नगर पंचायत में छत्तीसगढ़ के निर्माता भारतरत्न अटलजी की आदमकद प्रतिमा का उपमुख्यमंत्री साव ने किया अनावरण

श्रीकंचनपथ समाचार

गरियाबंद। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज कोपरा नगर पंचायत में भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने 20 लाख रुपए की लागत से वार्ड क्रमांक-13 में निर्मित अटल परिसर का लोकार्पण किया। विधायक रोहित साहू और राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष चंदूलाल साहू भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में डेढ़ करोड़ रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण भी किया। उन्होंने कोपरा नगर पंचायत में अधोसंरचना मद से विभिन्न वार्डों में हो रहे 75 लाख रुपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए 53.72 लाख की लागत से बनने वाले संग्रहण केंद्र का भी भूमिपूजन किया।

श्री साव ने कार्यक्रम में कोपरा नगर पंचायत के कार्यालय भवन के निर्माण के लिए 50 लाख रुपए तथा मूलभूत विकास एवं विस्तार के लिए 1 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने पेयजल के लिए 21 करोड़ रुपए लागत के जल आवर्धन योजना की भी घोषणा की।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोपरा के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। नगर पंचायत कोपरा ने बहुत ही कम समय में व्यवस्थित विकास किया है। यहां के अटल चौक को अटल परिसर के रूप में विकसित किया गया है। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कोपरा को स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित बनाने की अपील की।

श्री साव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारतरत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कारण ही छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हो पाया। अटलजी ने छोटे राज्यों को अधिक विकास के अवसर देने की सोच के साथ छत्तीसगढ़ को एक नई पहचान दी। उनके नेतृत्व और दूरदृष्टि ने प्रदेश को विकास की मजबूत दिशा प्रदान की। छत्तीसगढ़ में अटलजी के योगदान को सदैव स्मरण किया जाएगा, उनके कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता।

राजिम के विधायक रोहित साहू ने कहा कि कोपरा में अटलजी की प्रतिमा की स्थापना गर्व की बात है। डबल इंजन की सरकार में केंद्र एवं राज्य की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के साथ-साथ जिले में भी सड़क, पुल-पुलिया, शासकीय भवन एवं फोरलेन निर्माण जैसे विकास कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि राजिम क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए हमारी सरकार बनने के 2 वर्ष की अल्पावधि में 500 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य कराए जा चुके है।

राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष श्री चंदूलाल साहू और कोपरा नगर पंचायत के अध्यक्ष श्री रूपनारायण साहू ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। राजिम नगर पालिका के अध्यक्ष श्री महेश यादव, उपाध्यक्ष तारिणी सेन, जिला पंचायत सदस्य शिवांगी चतुर्वेदी, जनपद पंचायत अध्यक्ष इंद्राणी साहू, पूर्व विधायक संतोष उपाध्याय, अनिल चंद्राकर, आशीष शर्मा, अजय रोहरा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक सहित जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने जल संरक्षण, स्वास्थ्य एवं जनकल्याण पर दिया जोर

जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की ली बैठक, लगाया 'एक पेड़ मां के नाम'

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। राज्यपाल रमेन डेका ने धमतरी में जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेते हुए विभिन्न विकासात्मक एवं जनकल्याणकारी विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जल संरक्षण, एक पेड़ माँ के नाम अभियान, कामकाजी महिलाओं के स्वास्थ्य परीक्षण, स्वच्छता, नशा मुक्ति अभियान, जनमन कार्यक्रम, रेडक्रॉस गतिविधियों तथा नवाचारों पर विशेष रूप से चर्चा की गई। राज्यपाल ने परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधा रोपित किया।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ धान उत्पादन के लिए प्रसिद्ध राज्य है, किंतु धान एक अधिक पानी वाली फसल है, इसलिए जल संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगाह किया कि आने वाले वर्षों में जल संकट गंभीर रूप ले सकता है, अत: सभी को अभी से सजग होकर पानी बचाने की दिशा में कार्य करना होगा। उन्होंने कम पानी में होने वाली फसलों को बढ़ावा देने पर बल दिया।

राज्यपाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए सभी अधिकारियों से स्वयं पौधारोपण कर उसकी नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लगाए गए पौधे भविष्य में पहचान बनें और समाज में सकारात्मक संदेश दें। उन्होंने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में खाली पड़ी भूमि पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने सिकल सेल बीमारी एवं मेडिकल कॉलेज रेफर किए गए मरीजों की जानकारी ली तथा 40 वर्ष से अधिक आयु की शासकीय एवं कामकाजी महिलाओं के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने महिलाओं को स्वयं भी अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

राज्यपाल ने जिले में एलोवेरा फसल की खेती की सराहना करते हुए इसके व्यापक बाजार की संभावनाओं पर प्रकाश डाला और खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) के क्षेत्र में आगे बढ़ने के सुझाव दिए। उन्होंने रेडक्रॉस से जुड़कर सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

पी एम जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष रूप से कमार जनजाति के जीवन स्तर में सुधार पर चर्चा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उनकी पारंपरिक संस्कृति को अक्षुण्ण रखते हुए उन्हें स्वच्छता, अनुशासन और बेहतर जीवन सुविधाओं से जोड़ा जाए। उन्होंने अधिकारियों से समाज के हित में कम से कम एक सकारात्मक कार्य व्यक्तिगत स्तर पर भी करने का आह्वान किया, चाहे वह स्वच्छता, जागरूकता या सामाजिक सहयोग से संबंधित हो।

श्री भोरमदेव मंदिर में उपमुख्यमंत्री वन मंत्री व सांसद ने की पूजा अर्चना

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद संतोष पाण्डेय ने ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। इसके पश्चात सभी ने भोरमदेव के निर्माणाधीन कॉरिडोर का निरीक्षण किया। जहां उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण रूप से समय सीमा में पूरा करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, वीरेंद्र साहू, पूर्व संसदीय सचिव सियाराम साहू, पूर्व संसदीय सचिव मोतीराम चंद्रवंशी, लोकचंद साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी शामिल रहे।

मेधावी विद्यार्थियों को मिली लैपटॉप के साथ आर्थिक सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओपी चौधरी ने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश के टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले रायगढ़ जिले के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। रायगढ़ स्थित उनके कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें लैपटॉप, मार्गदर्शिका पुस्तक एवं 25,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की, ताकि उनकी उच्च शिक्षा में सहयोग मिल सके।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में टॉप करना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, लेकिन यह केवल एक शुरुआत है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में विद्यार्थियों को आईसीएसई एवं सीबीएसई जैसे अन्य बोर्डों के छात्रों के साथ भी प्रतिस्पर्धा करनी होती है, इसलिए निरंतर अध्ययन, अनुशासन, समय प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति स्पष्टता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे इस उपलब्धि को प्रेरणा बनाकर आगे भी ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़े तथा अपने ज्ञान और कौशल का निरंतर विकास करते रहें।

गौरतलब है कि रायगढ़ जिले के कुल 8 विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाकर जिले का गौरव बढ़ाया है। कक्षा 12वीं में कृष महंत (97.80 प्रतिशत, तृतीय स्थान), लोकनाथ मेहर (97.20 प्रतिशत, छठवां स्थान), शीतल साहू (96.80 प्रतिशत, आठवां स्थान), बबीता पटेल एवं लिसिका वर्मा (96.60 प्रतिशत, संयुक्त नौवां स्थान) तथा अंजली झा (96.40 प्रतिशत, दसवां स्थान) शामिल हैं। वहीं कक्षा 10वीं में गिरिजा प्रधान (98.33 प्रतिशत, पांचवां स्थान) एवं अहसान अली (97.83 प्रतिशत, आठवां स्थान) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया।

विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविश्वास को दिया। सीमित संसाधनों के बावजूद कठिन परिश्रम कर यह उपलब्धि हासिल करने वाले ये विद्यार्थी अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

अन्य मेधावी विद्यार्थियों को भी किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में वित्त मंत्री श्री चौधरी ने स्नेहा पांडा और निकिता दास को भी सम्मानित किया। स्नेहा पांडा ने सीबीएसई परीक्षा में 97.6 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि निकिता दास नेएमएससी गणित में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 79.94 प्रतिशत के साथ मेरिट सूची में छठवां स्थान हासिल किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ.के.व्ही.राव सहित शिक्षा विभाग के अधिकारीगण, संबंधित शाला के प्राचार्य एवं व्याख्याता और विद्यार्थियों के पालकगण उपस्थित थे।

वन मंत्री ने देखा बैगा एथनिक रिजॉर्ट चिल्फी और सरोधा की छटा ने मोह लिया

श्रीकंचनपथ समाचार

कवर्धा। छत्तीसगढ़ के वन मंत्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा संचालित बैगा एथनिक रिजॉर्ट (सरोधा दादर) में प्रवास के दौरान राज्य के उभरते पर्यटन स्थलों की मुक्तकंठ से सराहना की। भोरमदेव अभयारण्य के शुभारंभ के अवसर पर पहुंचे मंत्री श्री कश्यप ने यहाँ एक दिवसीय रात्रि विश्राम किया और चिल्फी घाटी सहित सरोधा दादर की मनमोहक प्राकृतिक छटा का आनंद लिया।

श्री कश्यप ने कहा कि सरोधा दादर का वातावरण इतना सुकून, शांतिपूर्ण और स्फूर्तिदायक है कि यहाँ एक दिन का प्रवास भी कम प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि यह स्थान मेडिटेशन के लिए उपयुक्त है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि यहाँ का मौसम और नैसर्गिक परिवेश मानसिक शांति, योग और ध्यान के लिए सर्वथा उपयुक्त है। पर्यटन विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि नवाचार और सतत विकास के कारण छत्तीसगढ़ अब राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि सरोधा दादर जैसे स्थलों का विकास न केवल पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि स्थानीय जनजातीय संस्कृति और जीवनशैली को भी वैश्विक मंच प्रदान कर रहा है।

मंत्री श्री कश्यप ने रिजॉर्ट की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ आने वाले पर्यटकों को प्रकृति के सानिध्य में पारंपरिक जनजातीय जीवनशैली का एक अनूठा और जीवंत अनुभव प्राप्त होता है। प्रवास के अंत में उन्होंने संकेत दिया कि वे शीघ्र ही पुनः इस शांत और सुरम्य स्थल का भ्रमण करेंगे। यह प्रवास क्षेत्र में पर्यटन विकास की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

सरिया में 100 बिस्तर सिविल अस्पताल का भूमिपूजन

■ स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल एवं वित्त मंत्री चौधरी ने किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत सरिया को आज बड़ी सौगात मिली, जब स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने 18 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 100 बिस्तर सिविल अस्पताल का भूमिपूजन किया। यह अस्पताल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर, सरिया में निर्मित किया जाएगा, जिससे क्षेत्रवासियों को बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सरिया में बनने वाला यह सिविल अस्पताल न केवल उपचार सुविधाओं का विस्तार करेगा, बल्कि आपातकालीन सेवाओं को भी सुदृढ़ बनाएगा। उन्होंने निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और अंचल क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अस्पताल के निर्माण से सरिया एवं आसपास के क्षेत्रों के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और बेहतर इलाज के लिए दूर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

उन्होंने कहा कि विकास का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब आमजन को बुनियादी सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हों। यह अस्पताल क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को नई दिशा देगा और लोगों का भरोसा सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर और मजबूत करेगा।

इस मौके पर रायगढ़ लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, नगर पंचायत सरिया अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

छात्रों के लिए विशेष घोषणा

इस मौके पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहन देते हुए घोषणा की कि जिले के कक्षा 10वीं और 12वीं के टॉप-10 में स्थान प्राप्त करने वाले दो विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की राशि स्वेच्छा अनुदान से प्रदान की जाएगी। इस पहल का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है।

रायगढ़ में पहाड़ मंदिर समिति की बैठक में शामिल हुए वित्त मंत्री ओपी चौधरी

रायपुर। वित्तमंत्री ओपी चौधरी रायगढ़ में पहाड़ मंदिर समिति की बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान मंदिर के विकास, व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने समिति के सदस्यों से सुझाव लेते हुए मंदिर परिसर के समुचित विकास के लिए आवश्यक पहल करने की बात कही। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों का विकास न केवल आस्था का केंद्र होता है, बल्कि इससे क्षेत्र के सामाजिक और सांस्कृतिक वातावरण को भी मजबूती मिलती है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

आज के लिए नहीं बल्कि, भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं : अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म चांद मेरा दिल को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं।

अनन्या कहती हैं, मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है। अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें। उन्होंने कहा, मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे। अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।

उन्होंने बताया, फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं। अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म चांद मेरा दिल में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म चांद मेरा दिल का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में अनन्या पांडे चांदनी और लक्ष्य आरव के रूप में नजर आएंगे। चांद मेरा दिल 22 मई सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

शॉर्ट्स और टॉप में रुहानिका धवन ने ढाया कहर, दिए कातिलाना पोज वायरल हुई तस्वीरें

टीवी शो ये हैं मोहब्बते में दिव्यांकी त्रिपाठी की ऑन स्क्रीन बेटी बन रूही के किरदार से रुहानिका धवन ने खूब सुर्खियां बटोरी। अब वो पहले से काफी बड़ी हो गई हैं। वो सोशल मीडिया पर अपने लुक्स को लेकर छाई रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी कई ग्लैमरस फोटोज शेयर की है।

रुहानिका धवन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। फैंस उनकी हर एक नई पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कई ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं। फोटोज में वो काफी स्टाइलिश लुक में नजर आई। लुक की बात करें तो उन्होंने डेनिम शॉर्ट्स और व्हाइट क्रॉप टॉप पहना है। खुले बाल और मिनिमल मेकअप में रुहानिका धवन काफी खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने कई अलग-अलग अंदाज में कातिलाना पोज दिए हैं। तस्वीरों में रुहानिका काफी कॉन्फिडेंट नजर आ रही है। उनकी ये सादगी भरी मुस्कान फैंस का दिल जीत रही है। उनकी इन फोटोज पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा,बेबी गर्ल बड़ी हो गई है। वहीं दूसरी ने किया, क्यूटनेस की कोई लिमिट नहीं है।

शर्वानांद की बाइकर ने ओटीटी पर दी दस्तक हिंदी सहित 5 भाषाओं में घर बैठे देखें फिल्म

साउथ एक्टर शरवानंद की फिल्म बाइकर को 3 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसका आइडिया दर्शकों को काफी पसंद आया। क्रिटिक्स ने भी फिल्म की तारीफ की, लेकिन इसके बावजूद बॉक्स ऑफिस पर यह खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब बाइकर सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर रिलीज हो गई है।

अभिलाष रेड्डी कंकरा के निर्देशन में बनी फिल्म बाइकर ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है। खास बात ये है कि ये फिल्म तेलुगु के साथ-साथ तमिल, कन्नड़ और मलयालम में भी उपलब्ध है। वहीं, अगर आप इसे हिंदी में देखना चाहते हैं तो ये शर्वा नाम से रिलीज होगी। मेकर्स ने बाइकर की ओटीटी रिलीज की अनाउंसमेंट करते हुए लिखा, भारत की पहली मोटोक्रॉस फिल्म देखें।

यूवी क्रिएशंस के बैनर तले बनी इस फिल्म में राजशेखर, मालविका नायर और अतुल कुलकर्णी जैसे एक्टर्स भी नजर आ रहे हैं।

घिबरन ने इस स्पोर्ट्स ड्रामा के लिए म्यूज़िक कंपोज़ किया है। सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक, बाइकर ने बॉक्स ऑफिस पर 17.99 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि इस फिल्म का बजट 45 करोड़ रुपये था।

यह फिल्म मोटोक्रॉस रेसिंग (बाइक रेसिंग का एक खतरनाक खेल) की दुनिया पर आधारित है। कहानी एक ऐसे रेसर की है, जो इस खेल में अपना नाम बनाना चाहता है, लेकिन उस पर अपने पिता और परिवार की उम्मीदों का काफी बोझ है। उसके पिता खुद एक पुराने रेसर रह चुके हैं और चाहते हैं कि उनका बेटा दुनिया भर में नाम कमाए। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे वो एक बार रेसिंग छोड़ देता है और फिर किन हालातों में दोबारा ट्रैक पर वापसी करता है। इसमें खेल के साथ-साथ परिवार, प्यार और रिश्तों के बीच के संघर्ष को बहुत खूबसूरती से दिखाया गया है।

इंस्पेक्टर अविनाश सीजन 2 का ऐलान, अपराध का खात्मा करने लौटेंगे रणदीप हुड्डा

रणदीप हुड्डा की सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश का पहला सीजन 2023 में जियोहॉटस्टार पर रिलीज हुआ था, जिसे लोगों द्वारा काफी पसंद किया गया। इसकी अपार सफलता को देखते हुए निर्माताओं ने इसके सीजन का ऐलान कर दिया है। साथ में टीजर भी आया है। पुलिस वाले बनकर रणदीप एक बार फिर वापसी करते दिखाई देंगे। बता दें, जियो स्टूडियोज, नीरज पाठक और कृष्ण चौधरी द्वारा निर्मित यह सीरीज 1990 के दशक के उत्तर प्रदेश की कठोर पृष्ठभूमि पर आधारित है।

40 सेकेंड का टीजर जबरदस्त एक्शन से भरपूर और रोमांचक प्रतीत होता है। विस्फोटक टकरा और बढ़ते खतरे के एहसास के साथ, टीजर एक ऐसी कहानी को दिखाने का संकेत देता है, जिसमें दांव बड़े हैं, लड़ाइयां मुश्किल हैं और रास्ता बिल्कुल भी आसान नहीं है।

सीरीज में उर्वशी रौतेला, अमित सियाल, रजनीश दुग्गल, अभिमन्यु सिंह, शालीन भनोट

और फ्रेडी दारूवाला भी हैं। नीरज पाठक द्वारा निर्देशित इस सीरीज की रिलीज तारीख का ऐलान होना अभी बाकी है।

'टोपी खुद पहनो किसी को पहनाओ नहीं'

● सलमान ने दी काम को लेकर सलाह; बोले- सब भूल के आगे बढ़ो

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज सलमान ने अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने अपने फैंस को एक खास सलाह भी दी है।

सलमान खान का पोस्ट

सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने काम को लेकर सलाह दी है। सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'यह किसी भी फील्ड के लिए है। पहले सोच लो, समझ लो, स्पष्ट हो जाओ, फैसला कर लो और सब कुछ भूलकर आगे बढ़ो।' सलमान ने आगे लिखा, 'टोपी से याद आया-टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाना नहीं और न किसी को पहनने दो।' सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर किया है। इन तस्वीरों में सलमान खान ब्लैक टी-शर्ट के साथ ब्लैक टोपी में काफी हैंडसम लुक में नजर आ रहे हैं। सलमान ने कुल चार तस्वीरें शेयर की हैं। इन सभी तस्वीरों में सलमान स्टाइलिश लुक में पोज देते नजर आ रहे हैं।

'मातृभूमि' कब होगी रिलीज

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मातृभूमि मे वॉर रेस्ट इन पीस'

(पहले 'बैटल ऑफ गलवां') 14 अगस्त 2026 (स्वतंत्रता दिवस के आसपास) को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है। इस फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। इस फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह एक्शन फिल्म पहले अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन शूटिंग और बाकी वजहों से इसकी रिलीज में देरी हुई है।

दिलजीत ने कॉन्सर्ट से खालिस्तान समर्थकों को बाहर निकाला

सोशल मीडिया पर सिंगर दिलजीत दोसांझ के कनाडा में हुए म्यूजिक कॉन्सर्ट का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दिलजीत दोसांझ स्टेज पर गाना गा रहे हैं, तभी कुछ खालिस्तान समर्थक लोग झड़े लहराते हुए दिखाई देते हैं। यह देखकर दिलजीत अपना कॉन्सर्ट रोक देते हैं। आगे वह इन्हें गुस्से से जवाब देते हैं और बाद में शो से बाहर निकाल देते हैं। सिंगर के इस स्टैंड की कई लोग अब तारीफ कर रहे हैं।

तेजिंदर बग्गा ने की दिलजीत दोसांझ की तारीफ

हाल ही में कनाडा के कैलगरी में अपने 'ओरा' म्यूजिक टूर के दौरान दिलजीत दोसांझ ने खालिस्तानी झंडे लहरा रहे प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। सिंगर ने बीच में ही अपना शो रोका और गुस्से में कहा, 'जितने झंडे दिखाने हैं, दिखाओ। मैं आप लोगों को उठाकर बाहर फेंक दूंगा...।'

यह वीडियो पॉलिटिशियन तेजिंदर बग्गा ने भी शेयर किया और लिखा, 'दिलजीत दोसांझ ने अभी-अभी दिखाया कि रीढ़ की हड्डी इसे कहते हैं। कनाडा में अपने कॉन्सर्ट के दौरान उन्होंने खालिस्तानियों को शो से बाहर निकाल दिया।'

फैंस ने भी दिलजीत को सराहा

जब सोशल मीडिया पर दिलजीत दोसांझ का वीडियो वायरल हुआ तो फैंस ने उनके कदम को सराहा। एक यूजर ने लिखा, 'पंजाबी आ गए और छा गए।' इसी तरह कुछ फैंस को दिलजीत की सुरक्षा की चिंता भी हुई। लेकिन अधिकतर फैंस ने उनके फैसले का समर्थन किया है।

दिलजीत दोसांझ का करियर फ्रंट?

दिलजीत दोसांझ इस साल की शुरुआत में एक बॉलीवुड फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आए थे, इसमें उन्होंने एयरफोर्स ऑफिसर का रोल किया था। जल्द ही वह इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में नजर आएंगे।

फ्रोजन योगर्ट बनाम आइसक्रीम: गर्मियों में किसका सेवन करना सेहत के लिए है बेहतर?

गर्मियों में ठंडक देने वाले व्यंजनों की बात हो तो आइसक्रीम और फ्रोजन योगर्ट का नाम जरूर आता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि इनमें से कौन-सा विकल्प ज्यादा सेहतमंद है? अगर नहीं तो आज हम आपको इन दोनों के बीच के अंतर और कौन-से विकल्प को चुनना बेहतर है, इसके बारे में विस्तार से बताने जा रहे हैं। आइए जानते हैं कि फ्रोजन योगर्ट और आइसक्रीम में से क्या खाने से ज्यादा सेहतमंद रहा जा सकता है।

फ्रोजन योगर्ट क्या है?

फ्रोजन योगर्ट को दही से बनाया जाता है। दही में ऐसे तत्व होते हैं, जो पाचन को ठीक रखने और पेट को स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं। फ्रोजन योगर्ट में दूध या क्रीम के बजाय दूध से बने पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे यह आइसक्रीम की तुलना में कम कैलोरी और चर्बी वाला होता है। फ्रोजन योगर्ट में आमतौर पर कम चीनी होती है, जिससे यह मिठाई का एक सेहतमंद विकल्प बन सकता है।

आइसक्रीम के बारे में जानिए

आइसक्रीम दूध, क्रीम, चीनी और फ्लेवर से बनाई जाती है। इसमें अधिक चर्बी होती है और यह चीनी का एक प्रमुख स्रोत भी है। आइसक्रीम में आइसक्रीम बनाने वाले पाउडर का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। आइसक्रीम को बनाने के लिए कच्चे दूध को उबालकर उसमें चीनी और अन्य सामग्री मिलाई जाती हैं, फिर इसे फेंटकर फ्रिज में जमाया जाता है। यह डेजर्ट कई अलग-अलग फ्लेवर में उपलब्ध रहता है।

फ्रोजन योगर्ट और आइसक्रीम में क्या अंतर है?

फ्रोजन योगर्ट मुख्य रूप से दही से बनने के कारण फायदेमंद तत्वों से भरपूर होता है। वहीं, आइसक्रीम में अधिक चर्बी और चीनी होती है, जो इसे फ्रोजन योगर्ट की तुलना में कम सेहतमंद बनाते हैं। फ्रोजन योगर्ट में आइसक्रीम बनाने वाले पाउडर का इस्तेमाल नहीं किया जाता है, जबकि आइसक्रीम बनाने के लिए कच्चे दूध को उबालकर उसमें चीनी और अन्य सामग्री मिलाई जाती हैं। फ्रोजन योगर्ट की तुलना में आइसक्रीम में कैलोरी और चर्बी अधिक होती है।

फ्रोजन योगर्ट बनाने का तरीका

फ्रोजन योगर्ट बनाने के लिए सबसे पहले दही को ब्लेंडर में डालकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इसमें धीरे-धीरे करके दूध का पाउडर और चीनी या शहद शामिल कर दें। अब इस मिश्रण को एक कंटेनर में डालकर फ्रिज में जमने के लिए रख दें। जब यह जम जाए तो ऊपर से कटे हुए ताजे फल, मेवे और मसाले जैसे दालचीनी पाउडर आदि डालकर इसका आनंद लें। आप इसे अलग-अलग फलों वाले फ्लेवर में भी बना सकते हैं।

आइसक्रीम बनाने की रेसिपी

आइसक्रीम बनाने के लिए सबसे पहले दूध, क्रीम, चीनी और वनीला एसेंस को एक साथ अच्छे से मिलाएं। मिलाने के लिए आप हैंड ब्लेंडर की मदद ले सकते हैं, जिससे आप इसे अच्छी तरह से फेंट सकेंगे। इसके बाद इस मिश्रण को एक कंटेनर में डालकर फ्रिज में जमने के लिए रख दें। जब यह जम जाए तो इसका आनंद लें। इसमें भी आप अपनी पसंद की सामग्रियां और फ्लेवर जोड़ सकते हैं।

खास खबर

सतनामी समाज में कफन और मृत्यु भोज पर प्रतिबंध

रायपुर। राजधानी रायपुर में आयोजित एकदिवसीय सतनामी सामाजिक सम्मेलन में समाज सुधार को लेकर ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज के तत्वावधान में आयोजित इस सम्मेलन में कफन प्रथा और मृत्यु भोज पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने सहित 15 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। साथ ही गुरु घासीदास जयंती हर वर्ष 18 दिसंबर को ही मनाने का निर्णय भी लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष एलएल कोसले ने समाज में एकीकरण, समन्वय और सामाजिक रीति-रिवाजों में समयानुकूल सुधार की आवश्यकता पर जोर देते हुए 15 बिंदुओं का प्रस्ताव रखा।सम्मेलन में यह निर्णय लिया गया कि मृत्यु के अवसर पर कफन केवल परिवारजन ही देंगे, जबकि अन्य लोगों द्वारा कफन देने की परंपरा पर रोक रहेगी। मृत्यु भोज पर सामर्थ्य अनुसार सादा भोजन कराया जा सकेगा।

वेदांता की पहल से ग्रामीणों को मिला आत्मनिर्भरता का रास्ता

रायपुर। 'धान का कटोरा' कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में जहां आज भी अधिकांश ग्रामीण आबादी कृषि, विशेषकर धान की खेती पर निर्भर है, वहीं सीमित सिंचाई सुविधाओं और वर्षा आधारित खेती के कारण किसानों की आय लंबे समय तक एक ही फसल चक्र तक सिमटी रही है। ऐसे में मौसम की अनिश्चितता, बढ़ती लागत और सीमित विकल्प ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं। वेदांता बालको द्वारा राज्य के कोरबा, कवर्धा, रायगढ़, रायपुर और सरगुजा जिलों के 123 गांवों में एक समग्र आजीविका मॉडल विकसित किया जा रहा है। यह मॉडल कृषि पर निर्भरता कम कर आय के विविध स्रोत तैयार करने पर केंद्रित है। अब तक 2 लाख से अधिक लोग लाभ ले चुके हैं। इसमें कृषि, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, सूक्ष्म उद्यम और सामाजिक बुनियादी ढांचे को एक साथ जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण आजीविका को स्थिर, टिकाऊ और लचीला बनाया जा सके।

बगिया से बस्तर तक सुशासन की गूंज, सीधे संवाद से बढ़ा शासन में विश्वास

■ 40 दिवसीय 'सुशासन तिहार' में गांव-गांव पहुंच रहा प्रशासन

एल.डी. मानिकपुरी

रायपुर। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत जनता का विश्वास होता है। सरकारें योजनाएं बनाती हैं, बजट प्रस्तुत करती हैं और विकास के दावे करती हैं, लेकिन इन सबकी सार्थकता तभी सिद्ध होती है जब उनका लाभ आम नागरिक तक पहुंचे और लोग स्वयं अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन महसूस करें। इसी सोच को साकार करने के लिए 'सुशासन तिहार' जैसे अभिनव अभियान की शुरुआत की गई है।

1 मई से 10 जून तक चलने वाला यह 40 दिवसीय अभियान शासन को सीधे जनता के द्वार तक ले जाने का एक प्रभावी प्रयास है। इस दौरान प्रशासनिक अधिकारी गांव-गांव और शहरों के वार्डों में पहुंचकर आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं और उनका समाधान कर रहे हैं। खास बात यह है कि यह पहल केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि संवाद, सहभागिता और समाधान पर केंद्रित है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की इस अभियान में सक्रिय भागीदारी इसे और अधिक प्रभावशाली बनाती है। उनका विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर जमीनी हकीकत का आकलन करना और आम जनता से सीधा संवाद करना यह दर्शाता है कि नेतृत्व केवल नीतियां बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए भी प्रतिबद्ध है। तेज गर्मी और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच उनकी यह सक्रियता प्रशासनिक तंत्र के लिए भी एक प्रेरणा है।

'सुशासन तिहार' का मूल उद्देश्य शासन को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और जनोन्मुख बनाना है। जब अधिकारी सीधे गांवों में जाकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं, तो न केवल वास्तविक स्थिति स्पष्ट होती है, बल्कि लोगों के भीतर यह विश्वास भी मजबूत होता है कि उनकी आवाज़ सुनी जा रही है। इस प्रकार की पहल प्रशासन में संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व दोनों को सुदृढ़ करती है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे 'लोगों की सुनें, उन्हें सुनाएं नहीं' की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासनिक अधिकारियों का व्यवहार ही शासन की छवि तय करता है। इसलिए आमजन के साथ संवाद करते समय शालीनता, धैर्य और सम्मान अनिवार्य होना चाहिए। जब कोई नागरिक शासकीय कार्यालय पहुंचे, तो उसे यह अनुभव होना चाहिए कि उसकी बात गंभीरता से सुनी जा रही है।

प्रदेश में आयोजित समाधान शिविर इस अभियान की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जहां पंचायत और वार्ड स्तर पर लोगों से आवेदन लेकर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। इसमें जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी भी सुनिश्चित की गई है, जिससे शासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो रहा है।

हालांकि, इस पहल की वास्तविक सफलता उसके दीर्घकालिक प्रभाव और निरंतरता पर निर्भर करती है। निश्चित ही राज्य सरकार 'सुशासन तिहार' से प्राप्त अनुभवों के आधार पर प्रशासनिक व्यवस्था में स्थायी सुधार करेंगे और यह संवाद की यह प्रक्रिया भी लगातार जारी रहेगी। 'सुशासन तिहार' एक अभियान नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह इस बात का संकेत है कि यदि शासन और जनता के बीच विश्वास, संवाद और संवेदनशीलता बनी रहे, तो विकास की राह न केवल सशक्त होती है, बल्कि अधिक समावेशी बनेगी।

(लेखक छत्तीसगढ़ जनसम्पर्क विभाग में सहायक जनसंपर्क अधिकारी हैं।)

चंदागढ़ पहुंचे सीएम साय : बरगद की छांव में लगी जनचौपाल

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुर। सुशासन तिहार में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में पहुंचकर संवेदनशील और जनकेंद्रित शासन की एक प्रभावशाली झलक प्रस्तुत की। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर जैसे ही चंदागढ़ में उतरा, ग्रामीणों ने आत्मीयता के साथ उनका भव्य स्वागत किया।

मुख्यमंत्री सीधे पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम भैंसामुड़ा पहुंचे, जहां उन्होंने बजरंग बली मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके बाद गांव के बीचों-बीच बरगद के विशाल पेड़ की शीतल छांव में जनचौपाल सजी।

श्री साय ने कहा कि सुशासन तिहार 1 मई से 10 जून तक आयोजित किया जा रहा है और इसका उद्देश्य सरकार को जनता के द्वार तक ले जाना है, ताकि समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वे जनता की समस्याएं सुनने आए हैं और ग्रामीणों की समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने ग्रामवासियों से राशन, नमक, शक्कर की उपलब्धता, पेयजल व्यवस्था, बिजली, पटवारी से संबंधित समस्याओं सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली और अधिकारियों को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जनचौपाल के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जाना कि महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं ईंट निर्माण, किराना दुकान और बीसी सखी जैसे कार्यों के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में अब तक 8 लाख लखपति दीदी बन जा चुकी हैं, जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में यह संख्या 3 करोड़ से अधिक हो चुकी है, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा परिवर्तन है। मुख्यमंत्री ने ग्राम चंदागढ़ और भैंसामुड़ा के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं करते हुए सामुदायिक भवन निर्माण, मिनी स्टेडियम निर्माण, सीसी रोड निर्माण तथा बच्चों के लिए क्रिकेट किट और यूनिफॉर्म उपलब्ध कराने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को सामुदायिक भवन के लिए स्थल का चयन करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का भी जायजा लिया। कलावती चौहान ने बताया कि गांव में महतारी वंदन योजना और प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को मिल रहा है, जिस पर मुख्यमंत्री ने संतोष व्यक्त किया।

श्री साय ने तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य की स्थिति की जानकारी ली और चरण पादुका योजना के लाभ के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने बताया कि राज्य में श्री रामलला दर्शन योजना और मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से आमजन को धार्मिक और सामाजिक रूप से जोड़ा जा रहा है। ग्राम पंचायतों में स्थापित अटल डिजिटल सुविधा केंद्रों के माध्यम से अब आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो रही हैं।

सड़कों से ही दिखता है विकास, ऐसी बनाएं कि लोगों को दिक्कत न हो : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुशासन तिहार में बलरामपुर प्रवास के दौरान आयोजित समीक्षा बैठक में प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर सख्त संदेश दिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने योजनाओं की प्रगति के साथ-साथ अधिकारियों की जवाबदेही भी तय की।

बैठक के दौरान उस समय स्थिति गंभीर हो गई, जब लोक निर्माण विभाग का एक अधिकारी सड़क मरम्मत की सही जानकारी प्रस्तुत नहीं कर पाया। इस पर मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा, मीटिंग से बाहर जाइए, अपने सचिव से बात करिए और सही जानकारी लेकर आइए। इसके बाद बैठक कक्ष में सन्नाटा छा गया और यह स्पष्ट हो गया कि अब कार्यप्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम सभी जनता के सेवक हैं और अपने-अपने कार्यालयों को सेवा तीर्थ की तरह देखें, जहां आम जनता की सेवा ही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का विकास सबसे पहले सड़कों पर दिखाई देता है, इसलिए मानसून आने से पहले एक भी सड़क खराब नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि सभी सड़कों की मरम्मत समय-सीमा में पूर्ण की जाए।

स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता

■ फिजियोथेरेपी कॉलेज भवन, 100 बिस्तरीय एमसीएच अस्पताल स्टाफक्वार्टर एवं योग-प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र का होगा निर्माण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल एवं वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

इन परियोजनाओं में नवीन फिजियोथेरेपी महाविद्यालय भवन, 100 बिस्तरीय मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य (एमसीएच) अस्पताल हेतु स्टाफ क्वार्टर तथा 10 बिस्तरीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र भवन का निर्माण शामिल है।

फिजियोथेरेपी कॉलेज भवन के लिए 1393.71 लाख रुपये, एमसीएच अस्पताल स्टाफ क्वार्टर के लिए 393.79 लाख रुपये तथा योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र के लिए 280.57 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और वेलनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रायगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों के स्वास्थ्य तंत्र को मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में फिजियोथेरेपी कॉलेजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है, जिससे पैरामेडिकल शिक्षा को प्रोत्साहन मिल रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल उपचार पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन शैली का समग्र विज्ञान है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसे व्यापक स्तर पर विकसित किया जाएगा, ताकि लोग प्राकृतिक तरीकों से स्वस्थ रह सकें और दवाओं पर निर्भरता कम हो।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जिन परियोजनाओं का भूमिपूजन हुआ है, वे जिले के भविष्य को नई दिशा देने वाली हैं। उन्होंने जानकारी दी कि रायगढ़ में नर्सिंग कॉलेज, आधुनिक लाइब्रेरी, नदी तट विकास सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं प्रगति पर हैं, जो समग्र विकास को गति प्रदान करेंगी।

कार्यक्रम के दौरान हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड एवं सिकल सेल कार्ड वितरित किए गए, जिससे उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष श्री दीपक महस्के, सांसद श्री राधेश्याम राठिया, नगर निगम महापौर श्री जीवर्धन चौहान, सभापति श्री डिग्रीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिखा रविन्द्र गबेल सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश के लिए प्राक्चयन परीक्षा 10 मई को

रायपुर। मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रयास बालक/ कन्या आवासीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए प्राक्चयन परीक्षा की तिथि, परीक्षा समय एवं प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के अधिसूचित क्षेत्रों, आदिवासी उपयोजना क्षेत्रों एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं से 12वीं तक उत्कृष्ट स्कूली शिक्षा के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करवाई जाती है।

सरगुजा के सिलमा पहुंचे साय, खाट पर बैठकर किया संवाद

श्रीकंचनपथ समाचार

सरगुजा। 'सुशासन तिहार' के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड के ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे। मुख्यमंत्री ने न केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी स्थिति का जायजा लिया, बल्कि नागरिकों की समस्याओं को सुनकर त्वरित निराकरण के निर्देश भी दिए।

ग्राम सुआरपारा निवासी राजेश शुक्ला ने बिजली बिल माफी और आर्थिक सहायता के लिए आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने तत्काल मामले पर संज्ञान लिया और आश्वस्त किया कि उनकी स्थिति को देखते हुए बिजली बिल माफी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, साथ ही आवश्यक आर्थिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

जन चौपाल को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'सुशासन तिहार' शासन की कार्यप्रणाली में बेहतर और सकारात्मक बदलाव का संकल्प है। 40 दिनों तक चलने वाले इस अभियान के माध्यम से अब प्रशासन स्वयं जनता के द्वार तक पहुंचेगा और उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान सुनिश्चित करेगा।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी भी ग्रामीणों से ली तथा हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं के प्रभाव का फीडबैक प्राप्त किया।

इस अवसर पर पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल, लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत, कलेक्टर अजीत वसंत सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

सुशासन तिहार : नालंदा परिसर और नव-गुरुकुल से बन रहा नया शैक्षणिक वातावरण : वित्त मंत्री चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने रायगढ़ नगर निगम के वार्ड क्रमांक 6 में 50 लाख रुपए की लागत से निर्मित आधुनिक सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया। क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि यह भवन सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनकर स्थानीय समुदाय को नई पहचान देगा। श्री चौधरी ने कहा कि जनता द्वारा दिए गए विश्वास और समर्थन को विकास कार्यों के माध्यम से लौटाना भी उनका दायित्व है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने बताया कि रायगढ़ में शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है। कला महाविद्यालय, उद्यानिकी महाविद्यालय, फिजियोथेरेपी कॉलेज, प्रयास विद्यालय, स्विमिंग पूल, विभिन्न स्थानों पर ऑक्सीजोन, सड़कों एवं पुल-पुलियों का निर्माण तथा गजमार पहाड़ी और बाल समुंद तालाब का सौंदर्यीकरण जैसे कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साथ ही विभिन्न वार्डों में सीसी रोड, आरसीसी नाली और बीटी सड़कों का निर्माण भी जारी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेहतर शैक्षणिक वातावरण के लिए 22 स्थानों पर नालंदा परिसर स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें रायगढ़ का नालंदा परिसर लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन है। इसके अलावा बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 'नव गुरुकुल' पहल के माध्यम से उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि रायगढ़ के समग्र विकास के लिए शासन, प्रशासन और नागरिकों के सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

इस अवसर पर नगर निगम महापौर जीवर्धन चौहान, सभापति डिग्री लाल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

पंचायत विकास सूचकांक में धमतरी की मंदरौद ग्राम पंचायत प्रदेश में प्रथम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पंचायत विकास सूचकांक के अंतर्गत धमतरी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। विशेष रूप से कुरूद विकासखंड की मंदरौद ग्राम पंचायत ने गरीबी मुक्त एवं आजीविका संवर्धन में 94.4 अंक अर्जित कर प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि ग्राम स्तर पर प्रभावी योजना क्रियान्वयन, जनभागीदारी और सतत विकास प्रयासों का परिणाम है। जिले की अन्य ग्राम पंचायतों ने भी विभिन्न थीम जैसे स्वस्थ पंचायत, जल संपन्न पंचायत, स्वच्छ एवं हरित पंचायत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ए+ एवं ए ग्रेड प्राप्त किया है। यह दर्शाता है कि धमतरी जिले में ग्रामीण विकास की दिशा में योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है तथा जमीनी स्तर पर असर दिख रहा है।

खास खबर

19.44 लाख के कंडक्टर ड्रम चोरी, एफआईआर दर्ज

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ थाना क्षेत्र के अछोली स्थित बिजली परियोजना की साइट से कंडक्टर ड्रम चोरी का मामला सामने आया है। स्टर्लिंग एंड विल्सन प्राइवेट लिमिटेड के साइट भंडारण से अज्ञात आरोपित सात कंडक्टर ड्रम चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 19.44 लाख रुपए आंकी गई है। मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है। घटना 19 अप्रैल की रात 12 बजे से एक बजे के बीच की बताई जा रही है। अछोली स्थित जेई कार्यालय के सामने अस्पताल के पास रखे साइट भंडारण क्षेत्र से छह ड्रम एसीएसआर वीज़ल कंडक्टर और एक ड्रम चोरी किए।

नहीं थम रहा नशे का कारोबारः गांजा बेचते 2 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। जिले में चलाए जा रहे सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत कोरबा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। थाना कोतवाली और साइबर थाना की संयुक्त टीम ने राताखार बाईपास क्षेत्र में दबिश देकर गांजा बिक्री कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ युवक अवैध रूप से गांजा बेचने की तैयारी में हैं। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर दोनों संदिग्धों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से कुल 1.05 किलो गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत करीब 10 हजार रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रविशंकर तंरचनज (25) निवासी कचनारीपारा और रवि वर्मा (32) निवासी एमपी नगर राताखार के रूप में हुई है।

सराईपाली में प्रेमी जोड़े की लाश मिली

महासमुंद। रविवार सुबह जिले के सराईपाली विकासखंड स्थित शिशुपाल पर्वत शिखर के नीचे युवक और एक युवती की लाश मिली है। पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों ने रविवार सुबह सरायपाली थाने में शव मिलने की जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक स्तर पर मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है। शव कितने समय पुराने हैं और घटना के कारण क्या हैं, इसका पता लगाया जा रहा है। आम चर्चा है कि दोनों प्रेमी जोड़े हैं। आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। लोग इन्हें प्रेमी जोड़ा इसलिए मान रहे हैं कि पहले भी इसी जगह पर और भी कई जोड़े से आत्महत्या की है। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही मृत्यु के कारणों के बारे में स्पष्ट जानकारी दी जा सकेगी।

बाइकर्स गैंग का आतंक तीन झपटमारी की वारदातों से दहशत

रायपुर। पुरानी बस्ती थाना और टिकरापारा इलाके में झपटमारी की लगातार सामने आ रही घटनाओं ने लोगों में डर का माहौल बना दिया है। पहली घटना में दतरेंगा निवासी प्रेम सिंह 30 अप्रैल की सुबह बाइक से गोकुल नगर गौठान जा रहे थे। मुक्तिधाम के पास पीछे से आए तीन युवकों ने चलते वाहन में उनकी जेब से मोबाइल झपट लिया और फरार हो गए। जांच में एक आरोपी की पहचान शेख राजिक के रूप में हुई है। दूसरी वारदात भी इसी क्षेत्र में हुई, जहां बोरियाखुर्द निवासी पोषण नागरची से बाइक सवार तीन बदमाशों ने मोबाइल लूट लिया। पीड़ित ने आरोपियों की पहचान शेख राजिक, अलताफ खान और मुस्तकीम खान के रूप में की है। तीसरी घटना में मठपारा निवासी कमला उपाध्याय शीतला चौक भाठागांव के पास झपटमारी का शिकार हुईं। दो बाइक सवार बदमाश उनका पर्स छीनकर फरार हो गए। इस दौरान संतुलन बिगड़ने से महिला सड़क पर गिर पड़ीं और उन्हें गंभीर चोटें आईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

छत्तीसगढ़ के कृषि अधिकारी को रेप केस में उम्रकैद

कॉलेज फ्रेंड से बनाए संबंध, नौकरी लगते ही बोला- लड़की नीची जाति की, शादी नहीं करूंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद के रहने वाले कृषि विस्तार अधिकारी देवनारायण साहू को रेप के आरोप में उम्रकैद की सजा हुई है। आरोपी ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के दौरान अपनी कॉलेज फ्रेंड से दोस्ती की थी, कई सालों के अफेयर के बाद उसे शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बनाए।

2024 में जब देवनारायण की गवर्नमेंट जॉब लगी तो उसने युवती को 'नीची जाति' की सतनामी कहकर शादी से साफ मना कर दिया। 2 मई को इस केस में रायपुर की स्पेशल कोर्ट ने आरोपी को एससी/एसटी एक्ट समेत कई धाराओं में दोषी माना और उसे उम्रकैद की सजा सुनाई।

सरकारी वकील उमाशंकर वर्मा ने बताया कि, पीड़िता बिलासपुर जिले की रहने वाली है। वो देवनारायण साहू के साथ जगदलपुर के एग्रीकल्चर कॉलेज में साथ पढ़ती थी। बाद में दोनों रायपुर में एग्रीकल्चर कोचिंग भी करने लगे। इसी दौरान आरोपी ने युवती को प्रपोज किया। पीड़िता ने कोर्ट में बताया कि उसने शुरुआत में रिलेशनशिप से मना कर दिया था, क्योंकि दोनों की जाति अलग थी और उसे शादी होने की उम्मीद नहीं थी।

लेकिन आरोपी ने भरोसा दिलाया कि नौकरी लगने के बाद शादी करेगा। कोर्ट रिकॉर्ड के मुताबिक, फरवरी 2021 में आरोपी ने युवती को रायपुर के धरमपुरा स्थित अपने किराए के मकान में बुलाया। वहां शादी का भरोसा देकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने बयान में कहा कि, 2023-24 के दौरान भी आरोपी लगातार शादी का वादा कर संबंध बनाता रहा।

नौकरी लगने के बाद बदल गया व्यवहार

2024 में आरोपी की नौकरी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी के पद पर लग गई। इसके बाद उसका व्यवहार बदलने लगा। कोर्ट में पीड़िता ने कहा कि आरोपी उसे 'नीची जाति की सतनामी लड़की' कहकर अपमानित करने लगा। इसके बावजूद नवंबर 2025 में आरोपी ने उसे मानपुर बुलाया और फिर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया।

रायपुर बुलाकर कहा- 'हमारे यहां सतनामी लड़की से शादी नहीं होती'

पीड़िता के मुताबिक, 4 दिसंबर 2025 को आरोपी ने उसे रायपुर बुलाया और साफ कहा कि, वह उससे शादी नहीं करेगा, क्योंकि वह सतनामी समाज से है। आरोपी ने यह भी कहा कि वह किसी दूसरी लड़की से शादी करना चाहता है। इस मामले में पीड़िता की मां और भाई ने भी अदालत में बयान दिया। दोनों ने कहा कि युवती ने उन्हें आरोपी की तरफ से शादी का झांसा देकर संबंध बनाने और बाद में जाति के नाम पर शादी से इंकार करने की जानकारी दी थी।

मेडिकल रिपोर्ट में भी पुष्टि

पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करने वाली डॉक्टर ने कोर्ट में बताया कि युवती का हाइमन फटा हुआ था। डॉक्टर ने यह भी कहा कि परीक्षण के दौरान पीड़िता ने आरोपी द्वारा लंबे समय तक शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने की बात बताई थी।

अदालत ने क्या कहा?

कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि, आरोपी शुरू से पीड़िता की जाति जानता था, फिर भी उसने धोखे से उसका शोषण किया। कोर्ट ने इसे गंभीर अपराध मानते हुए उम्रकैद के साथ अन्य धाराओं में सजा और 6 हजार जुर्माना भी लगाया है।

इस मामले की सुनवाई विशेष न्यायाधीश पंकज कुमार सिन्हा की अदालत में हुई। कोर्ट ने आरोपी को बीएनएस की धारा 64(2)(रू) में 10 साल कठोर कारावास, बीएनएस की धारा 69 में 10 साल कठोर कारावास और एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) में उम्रकैद की सजा सुनाई है। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

रायपुर में सांख्यिकी अधिकारी बनाने के नाम पर ठगी

पुलिस ने वेस्ट बंगाल से आरोपी को पकड़ा, फील्ड इन्वेस्टिगेटर की नौकरी का झांसा देकर लिए थे पैसे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक शातिर आरोपी को पुलिस ने चार महीने की जांच के बाद गिरफ्तार किया है। आरोपी ने राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय में फील्ड इन्वेस्टिगेटर बनाने का झांसा देकर 4.91 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। पुलिस उसे वेस्ट बंगाल से पकड़कर रायपुर ले आई है।

पुलिस के अनुसार आरोपी का नाम शहनवाज खान है। उसके खिलाफ ब्राम्हणपारा निवासी मीना साकुरे ने शिकायत दर्ज कराई थी। यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

सिविल लाइन पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ नवंबर 2025 में थाने में शिकायत हुई थी। पीड़ित मीना ने पुलिस को बताया था, कि आरोपी ने राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय रायपुर में फील्ड इन्वेस्टिगेटर पद पर नियुक्ति का झांसा देकर अलग-अलग किस्तों में 4 लाख 91 हजार रुपए ले लिए।

रकम लेने के बाद उसने फर्जी नियुक्ति प्रमाण पत्र थमा दिया और कहा कि नौकरी लग चुकी है। कुछ समय बाद जब पीड़ितों को संदेह हुआ और उन्होंने कार्यालय से जानकारी ली, तब पूरा मामला फर्जी निकला।

नवंबर 2025 में दर्ज हुआ केस, आरोपी फरार

पीड़िता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। लगातार जांच और तकनीकी इनपुट के आधार पर पुलिस को आरोपी के वेस्ट बंगाल में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद टीम ने वहां दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने ठगी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया है।

अन्य पीड़ितों की तलाश जांच जारी

सिविल लाइन निरीक्षक यामन देवांगन ने बताया कि पुलिस को आशंका है कि आरोपी ने इसी तरह कई और लोगों को नौकरी का झांसा देकर ठगा होगा फिलहाल उससे पूछताछ कर नेटवर्क और अन्य पीड़ितों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि नौकरी के नाम पर किसी भी व्यक्ति को पैसे देने से पहले उसकी सत्यता की जांच जरूर करें। बिना वैध प्रक्रिया और आधिकारिक दस्तावेज के किसी भी नियुक्ति पत्र पर भरोसा करना भारी पड़ सकता है।

किराए के मकान में युवक का मिला शव

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले में शनिवार को युवक का शव उसके किराए के मकान में फांसी के फंदे पर लटका मिला। मृतक की पहचान 29 वर्षीय शिव सिदार के रूप में हुई है, जो स्थानीय जूता दुकान में काम करता था। जानकारी के अनुसार, शिव सिदार ने लगभग 15 दिन पहले ही यह किराए का मकान लिया था और वह यहां अकेला रहता था। पिछले तीन दिनों से वह काम पर नहीं जा रहा था। शनिवार शाम को दुकान मालिक उसका हालचाल पूछने उसके किराए के मकान पर पहुंचा।

दरवाजा खुलते ही फंदे पर लटका मिला युवक

दुकान मालिक ने देखा कि दरवाजा अंदर से बिना सिटकनी के सिर्फ ढका हुआ था। उसने दरवाजा धकेला तो युवक को फांसी के फंदे पर लटका पाया। उसने तुरंत मोहल्ले के लोगों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल, पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

सक्ती में गौ तस्करीः बोलेरो से 7 गायों को कराया गया मुक्त, तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सक्ती। सक्ती जिले के डभरा क्षेत्र में गौ तस्करी का एक मामला सामने आया है। भद्री स्थित गौ सेवा समिति ने सक्रियता दिखाते हुए एक बोलेरो से 7 गायों को मुक्त कराया। हालांकि, अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार हो गए।

यह घटना शुक्रवार रात करीब 12 बजे की है। समिति को सूचना मिली थी कि एक सफेद बोलेरो (सीजी 15 बी 3075) में मवेशियों को अवैध रूप से ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही गौ सेवकों ने वाहन का पीछा किया और भद्री के पास घेराबंदी कर उसे रोक लिया। स्वयं को घिरा देख वाहन चालक और उसके दो साथी चलती गाड़ी छोड़कर खेतों की ओर भाग निकले। बोलेरो की तलाशी लेने पर पाया गया कि वाहन की पीछे की सीटें निकालकर 7 गायों को एक-दूसरे के ऊपर ठूंसकर रखा गया था। कई गायों के शरीर पर चोट के निशान भी मिले।

सूचना मिलने पर फागुरम चौकी प्रभारी उप निरीक्षक अनवर अली पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने सभी गायों को सुरक्षित बाहर निकलवाकर उनका प्राथमिक उपचार कराया और बाद में उन्हें समिति को सौंप दिया। पुलिस ने बोलेरो वाहन को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रायपुर में चिट्टा बेचने वाले 4 तस्कर गिरफ्तार

दुर्ग-रायपुर के सप्लायर हेरोइन सप्लाई करने पहुंचे थे नरय्या तालाब, पुलिस ने घेराबंदी करके दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में मादक पदार्थों के खिलाफलगातार कार्रवाई के बीच पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। चिट्टा (हेरोइन) की सप्लाई करने वाले दुर्ग कनेक्शन से जुड़े 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपियों के कब्जे से करीब 11.99 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है, जिसकी कीमत लगभग 2.40 लाख रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में दुर्ग निवासी राजवीर सिंह, टिकरापारा निवासी मोहम्मद अयान, बैजनाथ पारा निवासी उबैद रजा और बैरन बाजार निवासी मोहम्मद शरीफ शामिल हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

कोतवाली पुलिस को 3 मई को सूचना मिली थी कि कोतवाली थाना क्षेत्र के नरैय्या तालाब स्थित सुलभ शौचालय के पास कुछ युवक चिट्टा लेकर ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची और संदिग्धों की पहचान की।

जैसे ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू की, आरोपी भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उनकी पहचान राजवीर सिंह, मोहम्मद अयान, उबैद रजा और मोहम्मद शरीफ के रूप में हुई। आरोपियों की तलाशी में पुलिस ने हेरोइन बरामद की। आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत पुलिस कार्रवाई कर रही है।

सरहदी जिलों से बढ़ी सप्लाई, नेटवर्क की जांच जारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कमिश्नरेट क्षेत्र में बढ़ते दबाव के कारण अब मादक पदार्थों की सप्लाई सरहदी जिलों से की जा रही है। इस मामले में दुर्ग कनेक्शन भी सामने आया है।

गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाले जा रहे हैं, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। पुलिस का कहना है कि इस मामले में और भी आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

पुलिस उपायुक्त स्मृतिक राजनाला ने बताया कि नशे के कारोबार पर सख्ती से रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। आने वाले दिनों में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि युवाओं को नशे के जाल से बचाया जा सके।

जांजगीर-चांपा में मवेशी तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय मवेशी तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। शिवरीनारायण थाना पुलिस ने इस मामले में 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 15 भैंसें और तस्करी में इस्तेमाल किए गए 3 पिकअप वाहन जब्त किए हैं।

जब्त की गई 15 भैंसों की अनुमानित कीमत 2 लाख 25 हजार रुपए बताई गई है। इसके अतिरिक्त, तस्करी में इस्तेमाल तीनों पिकअप वाहनों की कीमत लगभग 18 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस को 3 मई 2026 की सुबह करीब 5 बजे मुखबिर से सूचना मिली थी कि तीन पिकअप वाहनों में मवेशियों को भरकर ओडिशा के बूचड़खाने ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने शिवरीनारायण क्षेत्र के राघव इन होटल के सामने मुख्य मार्ग पर घेराबंदी की।

5 तस्करों को किया गिरफ्तार, 15 भैंस और 3 पिकअप जब्त

घेराबंदी के दौरान संदिग्ध पिकअप वाहनों (सीजी04क्यूयू9122, ओडी26एफ4334, ओडी17टी8523) को रोका गया। जांच में पाया गया कि प्रत्येक वाहन में 5-5 भैंसों को क्रूरतापूर्वक ठूंस-ठूंस कर भरा गया था और रस्सियों से बांधकर ले जाया जा रहा था।

पूछताछ में आरोपियों ने मवेशियों की तस्करी कर ओडिशा ले जाने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने सभी 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मुकेश ऐडजा, राजेश मांझी, निरंजन कोलारी, रूपेश कुमार और प्रकाश राणा शामिल हैं, जो ओडिशा के बरगढ़ जिले के निवासी हैं।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6, 10 और पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11(घ) के तहत मामला दर्ज किया है।

बीजापुर में सूखे नशे का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस ने एक महीने में की 10 से अधिक कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। बीजापुर में सूखे नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने करीब एक महीने से फरार चल रहे सूखे नशे के कारोबार के मुख्य आरोपी आकाश ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी आकाश ठाकुर कारवॉश सेंटर की आड़ में अवैध रूप से सूखे नशे का कारोबार चला रहा था। पूर्व में की गई कार्रवाई के दौरान उसके सेंटर से नशीली गोली, कैप्सूल और थिनर जैसी सामग्री बरामद की गई थी।

इस मामले में आरोपी का सहयोगी धर्मेंद्र कुमार पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। आकाश ठाकुर को मुखबिर की सूचना पर दंतेवाड़ा जिले से पकड़ा गया।

पुलिस को लगातार यह सूचनाएं मिल रही हैं कि मेडिकल दवाओं की अवैध तस्करी का एक बड़ा नेटवर्क तेलंगाना के वेंकटपुरम क्षेत्र से संचालित हो रहा है। जानकारी के अनुसार वहां के कुछ फार्मेसी और मेडिकल स्टोर इस सप्लाई चेन के प्रमुख केंद्र बन गए हैं, जहां से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के सीमावर्ती जिलों में नशीली दवाओं की आपूर्ति की जा रही है।

पुलिस अब सघन जांच में लगी है

कोतवाली पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है और वेंकटपुरम कनेक्शन की गहन जांच कर रही है। मामले से जुड़े अन्य संदिग्धों की पहचान कर जल्द ही उनके खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी है। पिछले एक महीने में सूखे नशे के खिलाफ 10 से अधिक प्रभावी कार्रवाइयाँ की गई हैं और कई लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की गई है।

बीजापुर कोतवाली टीआई दुर्गेश शर्मा ने बताया कि अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि पूरे कनेक्शन को लेकर लगातार कार्रवाई की जा रही है।

युवक को हाइवा ने कुचला, मौके पर हुई मौत

भिलाई। उतई थाना पुलिस ने बताया कि प्रार्थी दुर्गेश बघेल (22 वर्ष) निवासी गांधी चौक उतई ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह रुगंटा कॉलेज में आईटीआई के इलेक्ट्रिशियन ट्रेड का छात्र है। उसका छोटा भाई विजय बघेल एसएमएस कंपनी में भारतमाला परियोजना के तहत निर्माणाधीन 6 लेन सड़क पर वाहन एंट्री का काम करता था। 30 अप्रैल की रात विजय बघेल खोपली रोड स्थित 6 लेन सड़क के किनारे ड्यूटी पर खड़ा था।

इसी दौरान हाइवा चालक रुपेश ठाकुर ने तेज गति और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में विजय बघेल की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही वह तत्काल घटनास्थल पहुंचा और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई।

सुशासन तिहार

मुख्यमंत्री साय पहुंचे सुमिला की दुकान : खरीदा ठंडा पानी और फलाहारी चिवड़ा, किया संवाद

जशपुर। रविवार को जशपुर जिले के पत्थलगांव विकासखंड के सुदूर वनांचल ग्राम चंदागढ़ में मुख्यमंत्री श्री साय का हेलीकॉप्टर उतरा। वे सीधे हेलीपैड के पास स्थित सुमिला की दुकान पर पहुंचे। मुख्यमंत्री को सामने देखकर सुमिला कोरवा भावुक हो उठीं और उन्होंने परंपरागत अंदाज में लौंग-इलायची खिलाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुमिला से बातचीत कर उनकी जीवन-यात्रा के बारे में जाना। चर्चा के दौरान पता चला कि सुमिला ने मुद्रा योजना के तहत एक लाख रुपए का ऋण लेकर इस किराना दुकान की शुरुआत की थी। आज उनकी दुकान में रोजमर्रा के सामान के साथ-साथ फोटो कॉपी मशीन

और फ्रिज की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे गांववासियों को ठंडा पानी और अन्य जरूरी वस्तुएं मिलती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने दुकान से ठंडा पानी और फ्लाहारी चिवड़ा खरीदा और स्वयं अपने पर्स से पैसे निकालकर भुगतान किया। जब सुमिला ने पैसे लेने से मना किया, तो मुख्यमंत्री श्री साय ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह आपके मेहनत का हक है, इसे जरूर स्वीकार कीजिए। उन्होंने सुमिला के परिश्रम की सराहना करते हुए कहा कि वनांचल क्षेत्र में रहकर लोगों की जरूरतों का ध्यान रखना बेहद सराहनीय है और यह अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा है। सुमिला पहले खेती-बाड़ी में अपने परिवार का सहयोग करती थीं, फिर दुकान शुरू करने का निर्णय लिया। आज उनकी दुकान गांव में अच्छी तरह चल रही है।

भैंसमुड़ा पहुंचे मुख्यमंत्री : स्कूली बच्चों के साथ खेला क्रिकेट, 4 साल की मानविका ने छू लिया उनका दिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जशपुर जिला प्रवास के दौरान ग्राम भैंसामुड़ा में एक बेहद आत्मीय और उत्साहवर्धक दृश्य देखने को मिला। सीएम यहां शासकीय प्राथमिक शाला चंदागढ़ पहुंचे। उनकी नजर यहां मैदान में क्रिकेट खेल रहे बच्चों पर पड़ी। बिना किसी औपचारिकता के वे मैदान में उतर गए और क्रिकेट खेलने लगे। मुख्यमंत्री को अपने बीच खेलते देख बच्चों की खुशी दोगुनी हो गई और पूरा वातावरण उत्साह और उल्लास से भर उठा।

इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से उनकी दिनचर्या, पढ़ाई और खेल के प्रति रुचि के बारे में जानकारी ली। बच्चों के साथ इस संवाद के बीच उन्होंने यह भी समझने का प्रयास किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं की क्या स्थिति है और किन-किन संसाधनों की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

खिलाड़ी प्रकाश ठाकुर से मुख्यमंत्री ने खेल से जुड़े पहलुओं के बारे में विस्तार से जाना। श्री साय ने कलेक्टर को निर्देशित किया कि स्कूल के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक क्रिकेट किट और स्पोर्ट्स ड्रेस उपलब्ध कराई जाए।

श्री साय ने ग्राम पंचायत के सरपंच रोशन प्रताप सिंह से भी बातचीत कर गांव की स्थिति, चल रहे विकास कार्यों और स्थानीय आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि गांव के समग्र विकास के लिए आवश्यक पहल सुनिश्चित की जाए, ताकि बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ शिक्षा और खेल के क्षेत्र में भी संतुलित प्रगति हो सके।

मानविका ने जीता मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का दिल

जशपुर जिले के ग्राम भैंसामुड़ा में एक ऐसा आत्मीय और भावुक क्षण आया, जिसने प्रत्येक व्यक्ति के मन को गहराई से छू लिया। जैसे ही मुख्यमंत्री की नजर 4 वर्षीय मानविका चौहान पर पड़ी, वे सहज भाव से उसके पास पहुंच गए। श्री साय ने स्नेहपूर्वक बच्ची को अपनी गोद में उठाया और मुस्कुराते हुए उससे बातें कीं। जब मानविका ने तुतलाते हुए कहा – मुझे डॉक्टर बनना है, तो मुख्यमंत्री श्री साय के चेहरे पर सहज स्नेहिल मुस्कान उभर आई।

उन्होंने बच्ची को आशीर्वाद दिया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने पास रखा चश्मा निकालकर बड़े प्यार से बच्ची को पहनाया और उसे पुचकारते हुए उसका हौसला बढ़ाया।

मानविका की माता दीपांजलि ने बताया कि उनकी बेटी मुख्यमंत्री से मिलने को लेकर बेहद उत्साहित थी और उनसे मिलकर अत्यंत खुश हुई। उन्होंने इस स्नेहपूर्ण व्यवहार के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके परिवार के लिए एक यादगार अनुभव बन गया है।

यह पूरा प्रसंग संवेदनशील और जनसरोकार से जुड़े नेतृत्व का सजीव उदाहरण बन गया, जहां शासन केवल योजनाओं और नीतियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्नेह, संवाद और विश्वास के माध्यम से सीधे लोगों के दिलों तक अपनी जगह बनाता है।

मुख्यमंत्री ने बलरामपुर के 'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान' में देखा ग्रामीण सशक्तिकरण का मॉडल

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज सुशासन तिहार के अंतर्गत बलरामपुर जिला प्रवास के दौरान 'ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान' पहुंचे, जहां उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पशु सखियों से आत्मीय संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रशिक्षण कक्ष का अवलोकन करते हुए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली और प्रशिक्षणार्थियों से 'जय बिहान' कहकर आत्मीय अभिवादन किया। उन्होंने विशेष रूप से पशुपालन का प्रशिक्षण ले रही पशु सखियों से संवाद करते हुए उनके अनुभवों को जाना और उनके प्रयासों की सराहना की।

इस दौरान विकासखण्ड रामचन्द्रपुर के बगरा क्लस्टर अंतर्गत ग्राम केवली की अनुराधा गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे बिहान योजना से जुड़कर पशु सखी के रूप में कार्य कर रही हैं। उन्होंने बताया कि वे गांव में पशुओं का सर्वे कर पशु चिकित्सकों को सहयोग प्रदान करती हैं तथा ग्रामीणों को पशुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं बीमारियों के प्रति जागरूक करती हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण से उन्हें अपने कार्य को और अधिक दक्षता के साथ करने में सहायता मिल रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास और स्वरोजगार को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि ऋस्श्वऊद्व जैसे संस्थान न केवल प्रशिक्षण के केंद्र हैं, बल्कि ये ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं।

उल्लेखनीय है कि जिला बलरामपुर – रामानुजगंज में संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के माध्यम से अब तक 16 बैचों में कुल 510 प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न उद्यमी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से ग्रामीण युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार एवं सूक्ष्म उद्यमिता के लिए तैयार किया जा रहा है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं।

साय ने किया नालंदा परिसर का निरीक्षण, समय पर पूरी गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बलरामपुर जिला मुख्यालय में 4 करोड़ 48 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन नालंदा परिसर का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्य को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने परिसर में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री, कार्य की प्रगति तथा प्रस्तावित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और गुणवत्ता के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नालंदा परिसर में आधुनिक ई-लाइब्रेरी, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, समृद्ध अध्ययन सामग्री एवं पत्र-पत्रिकाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, जिससे युवाओं को एक समग्र और अनुकूल अध्ययन वातावरण मिल सकेगा। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाते हुए परिसर को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि जिले के विद्यार्थियों को इसका लाभ जल्द से जल्द मिल सके।

उन्होंने निरीक्षण के दौरान परिसर में प्रस्तावित अन्य सुविधाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और कहा कि नालंदा परिसर राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसके तहत युवाओं को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि यह परिसर जिले के विद्यार्थियों के लिए ज्ञान और अवसर का एक सशक्त केंद्र बनेगा तथा उनके भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उत्तर बस्तर कांकेर : आज से ग्रामों में शिविर का आयोजन

यूबीके। नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने हेतु बस्तर संभाग में संचालित बस्तर मुन्ने तथा नियद नेल्लानार 2.0 और राज्य व्यापी सुशासन तिहार का आयोजिन किया जा रहा है। इसी क्रम में बस्तर मुन्ने एवं सुशासन तिहार के तहत 4 मई को जिले के सभी सातों विकासखण्ड के कुल 103 गांवों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। अंतागढ़ विखं के ग्राम क्रोहबेड़ा, हुचाड़ी, बुढाखुरसई, आलानार, खड़गांव, ईमलीपदर, ईर्राबोड़ी, तहकाल, जैतानवागांव, कामता, घुमसीमुंडा, कुरसेल, सत्तीघाट, मढ़पा, आतुरबेड़ा, कंदाड़ी, डांगरा, सेमरगांव, पुसाघाटी, राजपुर, बेलोण्डी और जीवदण्ड में शिविर आयोजित किया जाएगा। कांकेर के ग्राम भैराडीह, मुरागांव, किरगापाटी, गढपिछवाड़ी, अण्डी, आवराभाट, डुमाली और पटौद। कोयलीबेड़ा विकाखण्ड के ग्राम पिपली, नदीचुंवा, कलीनगर, विश्रामपुर में शिविर लगेंगे।

जय बिहान से आत्मनिर्भरता तक

बलरामपुर में महिलाओं की बदलती तस्वीर के साक्षी बने मुख्यमंत्री साय, समूहों को दिए 21 लाख

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने बलरामपुर जिला प्रवास के दौरान पशु सखियों और 'लखपति दीदी' से बातचीत कर उनके अनुभवों को जाना।

ग्राम केवली की अनुराधा गुप्ता ने बताया कि बिहान योजना से जुड़कर वे पशु सखी के रूप में गांव में पशुओं का सर्वे, उपचार में सहयोग और जागरूकता का कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कौशल विकास और प्रशिक्षण के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं न केवल आत्मनिर्भर बन रही हैं, बल्कि गांव की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रही हैं। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 16 बैचों में 510 प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार हेतु तैयार किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में स्व-सहायता समूहों द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न समूहों की महिलाओं से संवाद करते हुए उनके उत्पादों और अनुभवों की जानकारी ली। कोमल स्व-सहायता समूह की पूर्णिमा बासिन ने बताया कि बैंक लिंकेज और सीआईएफ के माध्यम से प्राप्त ऋण से उन्होंने जैविक खेती शुरू की और जीराफूल चावल का उत्पादन कर एक वर्ष में 3 लाख रुपये की बिक्री की है। मुख्यमंत्री ने उनकी इस सफलता की सराहना करते हुए 5 समूहों को 21 लाख रुपये के चेक प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की योजनाएं जमीन पर बदलाव की स्पष्ट तस्वीर बनकर सामने आ रही हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं और स्थानीय उत्पादों को प्रदेश स्तर तक पहचान मिल रही है।

मुख्यमंत्री ने जनपद पंचायत वाड्रफनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत कछिया की सरपंच खुशबू सिंह एवं सचिव सुनीता मरावी को बाल हितैषी पंचायत श्रेणी में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि जब महिलाओं को नेतृत्व का अवसर मिलता है, तो वे समाज के सबसे महत्वपूर्ण वर्ग—बच्चों के भविष्य को प्राथमिकता देते हुए विकास की नई दिशा तय करती हैं।

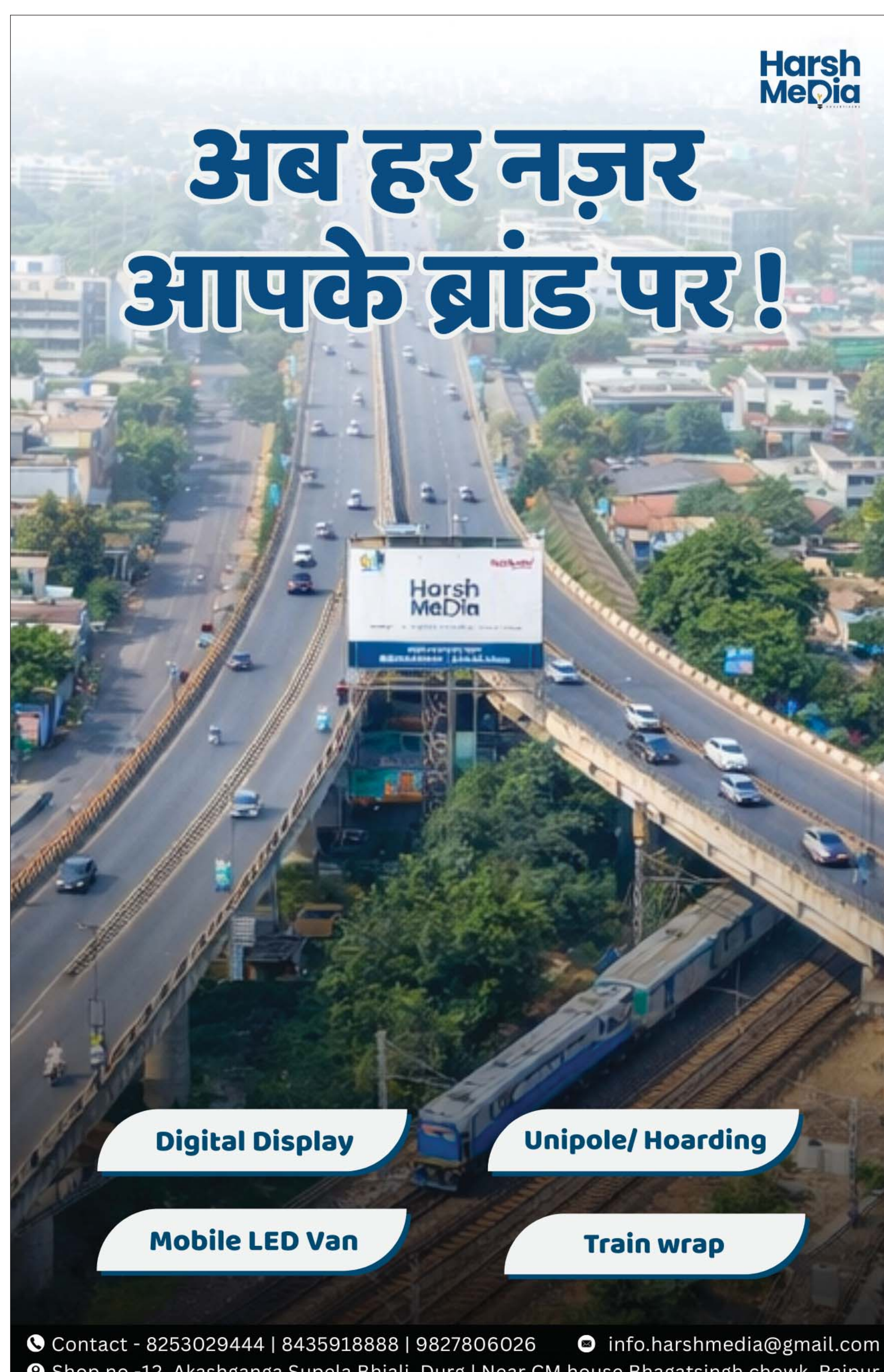

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950